पटना ●मंगलवार, 05 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः293 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

छठ पर्व के लिए बने सिरसोप्ता को... 3 www. bordernewsmirror.com भुल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का... 7

सूर्यदेव को समर्पित छठ पर्व प्रारंभ

नईदिल्ली/लखनऊ/पटना/रांची (एजेंसी)। छठ पूजा हिन्दू धर्म के लोगों के द्वारा मनाया जाने वाला बड़ा महत्वपूर्व महापर्व है जिसे चार दिनों तक लगातार मनाया जाता है। छठ पर्व छठ पूजा, छठ, डाला छठ, छठी माई, छठ माई, षष्ठी सूर्य एवं षष्ठी के नाम से भी जाना जाता है। इस पर्व को प्रमुख रूप से भारत के बिहार, झारखंड एवं पूर्वी उत्तर प्रदेश में मनाया जाता है, वहीं बात की जाए अन्य देशों की तो ये पर्व नेपाल के तराई क्षेत्रों में भी मनाया जाता है। छठ पूजा सूर्य को समर्पित है। पंचांग के अनुसार, छठ पूजा की शुरुआत कार्तिक माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी यानी 5 नवंबर से हो रही है। वहीं, इसका समापन अष्टमी तिथि यानी 8 नवंबर को होगा। इस दौरान छठी मैया और सूर्य देव की विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की जाएगी।

गांवों से शहरी क्षेत्र में आई जमीनों के मिलेंगे पट्टे

- सरकार ने तय की कीमत, पहले 2.50 लाख रुपए तक थी; अफसरों के अधिकारों में कटौती

जयपुर (एजेंसी)। नगरीय निकायों में आई अकृषि जमीनों (आबादी क्षेत्र में आई कृषि की जमीन जो भू-उपयोग परिवर्तन की गई) का फ्री होल्ड पट्टा देने को लेकर कीमत तय कर दी है। अब जमीन के खातेदार या मालिक पट्टा 200 रुपए प्रति वर्ग मीटर का शुल्क देकर पट्टा ले सकेंगे। ये शुल्क उन जमीनों के लिए निर्धारित किया है, जिनका भू-उपयोग परिवर्तन (कृषि से अकृषि) कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम के स्तर पर पहले हो चुका है, लेकिन उनका पट्टा अब तक जमीन मालिक या खातेदार के पास नहीं है।

स्वायत्त शासन विभाग ने प्रदेश के नगर पालिका, नगर परिषद और नगर निगम क्षेत्रों में आने वाली इन जमीनों को लेकर आदेश जारी कर दिए। दरअसल, राजस्थान की कई छोटी-बड़ी नगरीय निकाय ऐसी हैं, जिनके क्षेत्र में आ रही जमीनों के पट्टे नहीं है। ये जमीन पहले ग्रामीण एरिया में थी। तब इनके खातेदार या मालिक इन जमीनों का भू-उपयोग परिवर्तन (कृषि से अकृषि) कलेक्टर, एडीएम, एसडीएम के स्तर पर करवा चुके हैं। इन जमीनों का अब तक पट्टा (लीज डीड) नहीं है। आबादी एरिया (शहरी क्षेत्र) में जमीन आने के बाद पट्टा संबंधित निकाय जारी करती है।

बच्ची से रेप-हत्या करने वाले को फांसी की सजा

- 8 साल की मासूम के टुकड़े कर थैली में भर दिए थे; भैया कहकर बुलाती थी

उदयपुर (एजेंसी)। रेप के बाद 8 साल की बच्ची की हत्या और उसके शव के टुकड़े करने के मामले में सोमवार को उदयपुर पॉक्सो-2 कोर्ट ने फैसला सुनाया है। कोर्ट ने कमलेश को दोषी मानते हुए फांसी की सजा सुनाई है। दोषी के माता-पिता को 4-4 साल की सजा सुनाई है। हालांकि दंपती ने जमानत याचिका दायर कर रखी थी, ऐसे में उन्हें जमानत दे दी गई।

मामले में कोर्ट ने 8 दिन पहले कमलेश (21) सहित उसके माता-पिता को साक्ष्य मिटाने और सहयोग करने के आरोप में दोषी करार दिया था। मामले में आरोपी के वकील ने कोर्ट से समय मांगा था।

दिल्ली में बढ़ रहे वायु प्रदूषण पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

दिल्ली सरकार से पूछा- पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में बढ़ रहे वायु प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अखबारों की खबरों को देखकर लगता है कि दिल्ली में पटाखों पर प्रतिबंध लागू नहीं किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर दिल्ली सरकार से जवाब मांगा है कि पटाखों को प्रतिबंधित क्यों नहीं किया गया? सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस आयुक्त को नोटिस जारी किया है। इसके अलावा पंजाब, हरियाणा में पराली जलने पर भी नाराजगी जाहिर की है। कोर्ट ने दोनों राज्य सरकारों से जवाब मांगा है। दरअसल दिवाली के बाद से दिल्ली और एनसीआर की हवा लगातार जहरीली होती जा रही है। प्रदूषण का स्तर बढ़ने से लोगों को आंखों में जलन व सांस लेने परेशानी शुरू हो गई है। कई इलाकों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 400 को पार कर गया है। जो गंभीर श्रेणी में बदलाव का संकेत है। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली एनसीआर में वायु प्रदूषण को लेकर सख्त टिप्पणी की। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से पूछा कि पटाखों पर प्रतिबंध क्यों लागू नहीं किया गया? प्रतिबंध था तो पटाखे कैसे चलाए गए?

प्रदूषण पर सीजेआई ने भी जताई थी चिंता

सीजेआई चंद्रचूड़ ने गुरुवार को कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी में वायु प्रदूषण के बढ़ते स्तर के कारण उन्होंने सुबह की सैर करना बंद कर दिया है। उनके डॉक्टर ने उन्हें सुबह बाहर निकलने से बचने की सलाह दी है, क्योंकि सांस संबंधी बीमारियों से बचने के लिए घर के अंदर रहना ही बेहतर है। वायु प्रदूषण के स्तर में वृद्धि का जिक्र करते चिंता जाहिर की थी।

उत्तराखंड में बड़ा हादसा

अल्मोड़ा में बस खाई में गिरी, 36 यात्रियों की मौत, कई घायल

- सीएम ने किया मुआवजे का ऐलान, एआरटीओ प्रवर्तन निलंबित

अल्मोड़ा (एजेंसी)। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। मार्चुला के पास एक बस खाई में गिर गई है। हादसे में 36 लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। चार घायलों को एयरलिफ्ट भी किया गया है। तीन घायलों को एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है। मौके पर राहत एवं बचाव कार्य चलाया जा रहा है। एसडीआरएफ की टीम मौके पर है।

उत्तराखंड के अल्मोड़ा जिले के मार्चुला इलाके के पास सोमवार को यात्रियों से भरी बस नदी में गिर गई। बस में 55 से ज्यादा यात्री सवार थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस-प्रशासन मौके पर पहुंचा। एसएसपी अल्मोड़ा मौके पर पहुंच गए हैं। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एसडीआरएफ की टीम भी पहुंची हैं। हादसे में 36 लोगों के मारे जाने की पुष्टि हुई है। पीएमओ ने मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख और घायलों को 50-50 हजार देने की घोषणा की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बस हादसे पर शोक-संवेदना प्रकट की- पीएम नरेंद्र मोदी ने अल्मोड़ा सड़क हादसे पर गहरी संवेदना व्यक्त की है। उन्होंने कहा, उत्तराखंड के अल्मोड़ा में हुए सड़क हादसे में जिन्होंने अपनों को खोया है, उनके प्रति मेरी शोक-संवेदनाएं। इसके साथ ही मैं सभी घायलों की शीघ्र कुशलता की कामना करता हूं। राज्य सरकार की देखरेख में स्थानीय प्रशासन राहत और बचाव के हरसंभव प्रयास में जुटा है।

बस नैनीडांडा के किनाथ से रामनगर जा रही थी। जैसे ही बस मार्चुला के पास पहुंची तो सारड बैंड के पास नदी में गिर गई। बस के नदी में गिरते ही चीख-पुकार मच गई। कुछ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कुछ लोग बस से छिटककर नीचे गिर गए। घायल लोगों ने ही जानकारी दूसरों तक पहुंचाई। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची और राहत एवं बचाव कार्य चलाया। घायलों को अस्पताल ले जाने का काम किया। बस सवार 36 यात्रियों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हैं।

बस में सवार थे 55 से ज्यादा यात्री- बस 40 सीटर थी। बस में 55 से ज्यादा यात्री थे। आपदा प्रबंधन अधिकारी अल्मोड़ा विनीत पाल ने बताया कि 36 यात्रियों की मौत हो चुकी है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। टीम रेस्क्यू में जुटी थी।

जेईई की तैयारी कर रहे स्टूडेंट की हार्टअटैक से मौत

कोटा (एजेंसी)। 2 साल से कोटा में इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा (जेईई) की तैयारी कर रहे 18 साल के स्टूडेंट की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मां उसे खाना खाने के लिए उठाने गई तो मुंह से झाग निकल रहा था। स्टूडेंट को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मौत का कारण साइलेंट अटैक बताया। घटना कोटा के जवाहर नगर थाना इलाके की है।सोमवार को छात्र के चाचा कोटा पहुंचे। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम नहीं करवाने की बात लिखित में दी और शव को अपने साथ ले गए। स्टूडेंट को सिर दर्द की शिकायत थी, जिसका इलाज चल रहा था।

त्योहारों की वजह से लिया गया फैसला

यूपी, पंजाब और केरल की 14 विधानसभा सीटों के उपचुनाव की तारीख बदली

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने सोमवार को त्योहारों के मद्देनजर उत्तर प्रदेश, पंजाब और केरल में विधानसभा उपचुनावों की तारीख बदल दी। अब यहां 13 नवंबर की जगह 20 नवंबर को मतदान होगा। उत्तर प्रदेश में नौ, पंजाब में चार और केरल में एक सीट पर उपचुनाव के लिए मतदान होना है। नतीजे 23 नवंबर को ही आएंगे।

जानकारी के मुताबिक, कांग्रेस, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) सहित कई दलों ने विभिन्न त्योहारों के मद्देनजर आयोग से चुनावों की तारीख पुनर्निर्धारित करने का आग्रह किया था। उनका कहना था कि 13 नंवबर को चुनाव कराने से मतदान प्रतिशत पर असर पड़ सकता है।

यूपी में इसलिए बदली तारीख- भाजपा, बसपा और रालोद ने कहा था कि उत्तर प्रदेश में कार्तिक पूर्णिमा से तीन-चार दिन पहले लोग यात्रा करते हैं। कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को होगी।

यहां-यहां बदली तारीखें

जिन सीटों के उपचुनाव की तारीखों में बदलाव किया गया है, उनमें केरल की पलक्कड़ सीट शामिल है। इसके अलावा पंजाब की डेरा बाबा नानक, चब्बेवाल, गिद्दरबाहा और बरनाला विधानसभा सीट पर चुनाव की तारीख बदल दी गई है। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश की मीरापुर, कुंडरकी, गाजियाबाद, खैर, करहल, सीशामऊ, फूलपुर, कटेहरी और मझगवां में मतदान की तारीख में बदलाव किया गया है।

प्रियंका गांधी का आरोप-

वायनाड त्रासदी पर केंद्र ने राजनीति की, भाजपा की राजनीति विभाजनकारी

वायनाड (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा, यहां तक कि लोगों को बहुत दर्द देने वाली आपदा का भी भाजपा ने राजनीतिकरण किया। हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं, जहां आपको अपने देश, अपनी जरूरतों और अपने देश में आप किस तरह की राजनीति चाहते हैं, इसके बारे में सोचना चाहिए।

कांग्रेस नेता और वायनाड लोकसभा उपचुनाव के लिए यूडीएफ उम्मीदवार प्रियंका गांधी वाड्रा ने भाजपा पर हमला बोला। वायनाड में चुनाव प्रचार के दौरान प्रियंका गांधी ने आरोप लगाया कि जुलाई में वायनाड में आई भूस्खलन आपदा का राजनीतिकरण किया जा रहा है। उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भूस्खलन से प्रभावित परिवारों को आवश्यक धन वितरित करने में विफल रहने का भी आरोप लगाया। वायनाड त्रासदी में सैंकड़ों लोग मारे गए थे और कई लोगों को विस्थापित होना पड़ा था।

आजादी के बाद गढ़वा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री की चुनावी सभा, मोदी ने कहा -

'कुछ लोग जो यहां बैठे हैं वो कहते थे हमारी छाती पर झारखंड बनेगा' उनकी छाती पर ही झारखंड बना

जेएमएम, राजद-कांग्रेस परिवारवादी है

गढ़वा/चाईबासा (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को झारखंड विधानसभा के पहले फेज में होने वाली 43 सीटों पर चुनाव के लिए गढ़वा और चाईबासा में दो रैलियां करने पहुंचे हैं। उन्होंने पहली रैली गढ़वा में की। जो आजादी के बाद गढ़वा में पहली बार किसी प्रधानमंत्री की चुनावी सभा थी। पीएम मोदी की दूसरी सभा चाईबासा के टाटा कॉलेज मैदान में हुई।

प्रधानमंत्री ने कहा- 'कुछ लोग जो यहां बैठे हैं वो कहते थे हमारी छाती पर झारखंड बनेगा।' उनकी छाती पर झारखंड बन गया, लेकिन झारखंड के कुछ नेता उनकी गोदी में जाकर बैठ गए। पीएम का इशारा लालू प्रसाद यादव और हेमंत सोरेन पर था।

यहां तो एक मंत्री के घर से नोटों का पहाड़ निकला- मोदी ने हेमंत सोरेन का नाम लिए बिना उनके और उनके मंत्रियों के भ्रष्टाचार का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मंत्री, विधायक हर कोई भ्रष्टाचार में शामिल है। एक मंत्री के घर से नोटों का पहाड़ निकला। मैंने भी पहली बार नोटों का पहाड़ टीवी पर देखा।

मोदी ने परिवारवाद का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा- जेएमएम , राजद और कांग्रेस तीनों ही पार्टियां

घोर परिवारवादी हैं। ये चाहती हैं कि सत्ता की चाबी हमारे परिवार के हाथ में ही रहे। हालांकि खुद भाजपा ने इस बार 68 में से 18 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को टिकट दिया है। वहीं इंडिया ब्लॉक ने 20 सीटों पर नेताओं के रिश्तेदारों को उतारा है।

हमारा संकल्प पत्र रोटी, बेटी, माटी के लिए है

मोदी बोले- झारखंड बीजेपी का संकल्प पत्र रोटी, बेटी और माटी के सम्मान और सुरक्षा और समृद्धि के लिए समर्पित है। माताओं, बहनों और बेटियों के कल्याण के लिए इसमें अनेक संकल्प लिए गए हैं। गोगो दीदी योजना- इसमें हर महीने माताओं बहनों को 2100 रुपए मिलेंगे। जब बेटियों के साथ छल कपट होने लगे तो पता चलता है कि पानी सिर से गुजर चुका है। जब घुसपैठ का मामला कोर्ट में जाए और प्रशासन इससे इनकार करे तो पता चलता है कि सरकारी तंत्र में भी घुसपैठ हो चुकी है। ये आपकी माटी भी छीन रहे हैं, बेटी भी छीन रहे हैं। अगर जेएमएम की यही नीति जारी रही तो झारखंड में आदिवासियों का दायरा सिमट जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

एसटीएफ और पटना-भोजपुर पुलिस की कार्रवाई

पटना, एजेंसी। सोन में अवैध बालू खनन करने वाले पांडेय गिरोह के सरगना सत्येंद्र पांडेय को एसटीएफ, पटना और भोजपुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने सत्येंद्र के साथ उसके बेटे नीरज पांडेय को भी गिरफ्तार कर लिया। सत्येंद्र भोजपुर के कोईलवर थाने के पचरुखिया गांव का रहने वाला है। पुलिस से बचने के लिए बाप-बेटे कई माह से सोन के दियारा में छिपकर रह रहे थे। छह माह पहले सत्येंद्र ने अवैध बालू खनन पर कब्जा करने को लेकर छपरा के डोरीगंज में विकास महतो और सुदर्शन राय की गोली मार कर हत्या कर दी थी।सोन में अवैध बालू खनन को लेकर सिपाही राय और पांडेय गिरोह के बीच कई बार गोलीबारी हो चुकी है। दो दर्जन से अधिक लोग मारे गए हैं। डोरीगंज में दो लोगों की हत्या होने के बाद सत्येंद्र और उसके गिरोह से जुड़े एक दर्जन से अधिक अपराधियों को गिरफ्तार करने के लिए एसटीएफ को जिम्मेवारी दी गई थी।

डोभी में पियक्कड़ व वारंटी गिरफ्तार, जेल

गया, एजेंसी। डोभी थाना के जोलहबिगहा गांव से पुलिस ने दो पियक्कड़ व एक वारंटी को गिरफ्तार किया। इस संबंध में डोभी थानाध्यक्ष मुकेश कुमार ने बताया कि जोलहबिगहा सड़क मार्ग में शराब पीकर सड़क पर हगांमा करने के मामले में बाराचट्टी थाना के बेला गांव के अखिलेश पासवान और उतम पासवान को पकड़ा गया, जबकि जोलहबिगहा गांव से वारंटी विनोद मांझी को गिरफ्तार किया गया। बाद में आवश्यक कार्रवाई के बाद जेल भेज दिया गया।

अपराध की योजना हुआ नाकाम,हथियार समेत एक अपराधी गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के पीपरा थाना क्षेत्र के चिंतावनपुर गांव से पुलिस ने अपराध की योजना बना रहे एक बदमाश को एक देसी रिवाल्वर व जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया है। इसकी जानकारी देते चकिया एसडीपीओ सतेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि एसपी स्वर्ण प्रभात को गुप्त सूचना मिली कि सोशल मीडिया पर एक युवक ने फोटो पोस्ट किया है। वह किसी आपराधिक घटना को अंजाम देने में फिराक में है। जिसके बाद टीम गठित कर उक्त अपराधी को गिरफ्तार किया गया।गिरफ्तार अपराधी चिंतावनपुर निवासी चुन्नू सहनी है। जिस पर पूर्व से आर्म्स एक्ट का मामला दर्ज है,और ये काफी दिनो से फरार चल रह था। छापेमारी टीम में थानाध्यक्ष सुनील कुमार, पीएसआई धर्मबीर कुमार, सुधीर कुमार व सशस्त्र बल शामिल थे।

मुजफ्फरपुर में करीब 50 घाट खतरनाक

पटना में 100 घाट पर अर्घ्य, 45 जगह पार्किंग गया में 26 पर छठ व्रतियों के लिए खास इंतजाम

पटना, एजेंसी। बिहार में छठ महापर्व की तैयारी अंतिम चरण में हैं। पटना जिले में 550 घाटों के साथ 65 तालाबों को दुरुस्त किया गया है। शहर के दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। 45 जगहों पर पार्किंग की व्यवस्था की गई है। गया में 26 घाटों पर तैयारी की गई है। पटना में छठ महापर्व पर ट्रैफिक में बदलाव किया गया है। 7 नवंबर को दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक और 8 नवंबर को सुबह 2 बजे से दिन में ट्रैफिक सामान्य होने तक ट्रैफिक बदली रहेगी। फायर ब्रिगेड, एंबुलेंस, शव वाहन, छठ व्रतियों की गाड़ी और इमरजेंसी वाहनों को छोड़कर सभी के लिए यह व्यवस्था बनी रहेगी। दूसरी ओर मुजफ्फरपुर के 250 में 50 घाट को खतरनाक घोषित किया गया है। छठ घाटों पर चेंजिंग रूम, कंट्रोल रूम और वॉच टावर की व्यवस्था की गई है। इस रिपोर्ट में पढ़िए पटना, मुजफ्फरपुर, गया और भागलपुर में कितने घाट बनाए गए हैं। कौन से खतरनाक घाट हैं। चेंजिंग रूम कहां-कहां हैं। बाहर से आने वालों के लिए क्या इंतजाम हैं।

पटना के शहरी क्षेत्र में दानापुर से दीदारगंज तक 100 घाटों को छठ पूजा के लिए तैयार किया गया है। छठ मनाने के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के लिए 45 पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे श्रद्धालु अपनी गाड़ी पार्किंग में लगा कर पूजा कर सकें। इस साल बांस घाट से कलेक्ट्रेट घाट जुड़ गया है। गंगा किनारे से 100 मीटर पैदल चलकर व्रती कलेक्ट्रेट घाट पहुंच सकेंगे। कई सालों के बाद कलेक्ट्रेट, महेंद्रू घाट से बांस घाट एक साथ जुड़ गया है। वहीं, हर घाट पर चेंजिंग रूम, शौचालय, पानी का नल, मेडिकल कैंप, शेड आदि की व्यवस्था बनाई गई है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर 1000 मजिस्ट्रेट के साथ 5000 से अधिक जवानों की तैनाती की जा रही है। एनडीआरएफ की 8 टीम (200 सदस्य), एसडीआरएफ की 14 टीम (56 सदस्य), 333 गोताखोर, 306 नाव-नाविक के साथ सिविल डिफेंस के 168 वॉलंटियर्स को तैनात किया जा रहा है। रिवर पेट्रोलिंग भी की जाएगी। नावों के अवैध परिचालन के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

6 घाटों पर 2 बेड के लिए अस्थाई अस्पताल बनेंगे : छठ घाटों पर मेडिकल टीम की तैनाती होगी। छह घाटों पर दो बेड के अस्थायी अस्पताल बनेंगे। इनमें पाटीपुल घाट, 93 नंबर घाट, कलेक्ट्रेट घाट, लॉ कालेज घाट, गायघाट और पाटीपुल के पास निर्मित कंट्रोल रूम शामिल है। इसके अलावा हर तीन-चार घाट के लिए मेडिकल टीम के साथ एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है। मेडिकल टीम में डॉक्टर, पारा मेडिकल स्टाफ, नर्स रहेंगे। अस्थायी अस्पताल में भी एंबुलेंस की व्यवस्था रखी गई है। ताकि जरूरत पड़ने पर किसी को अस्पताल भेजा जा सके। साथ ही अस्पतालों को अलर्ट कर दिया गया है। अस्पतालों में बेड भी सुरक्षित रखे गए हैं।

अग्निशमन की 52 गाड़ियां रहेगी तैनात : छठ पूजा के दौरान आग लगने की घटना से निपटने के लिए अग्निशमन ने भी विशेष तैयारी की है। इसके तहत अग्निशमन ने पूरे जिले में गाड़ियों के साथ स्टाफ की तैनाती की गई है। 52 गाड़ियां अलग-अलग घाटों पर तैनात रहेगी। एक गाड़ी पर एक ड्राइवर के साथ 3 फायर फाइटर मौजूद रहेंगे। हर गाड़ी पूजा के दौरान अलर्ट मोड में रहेगा। साथ ही वरीय पदाधिकारी कंट्रोल रूम में बैठ कर इसी मॉनिटरिंग करेंगे।

पूजा के दौरान ट्रैफिक की व्यवस्था : पटना में छठ को लेकर ट्रैफिक प्लान जारी किया गया है। यह ट्रैफिक प्लान 7 नवंबर की दोपहर 12 से शाम 7 बजे तक और 8 नवंबर की सुबह 2 से 8 बजे तक प्रभावी रहेगा। इस दौरान कारगिल चौक से पूरब दीदारगंज तक किसी भी वाहन का परिचालन नहीं होगा। अशोक राजपथ के सभी एंट्री पॉइंट बंद रहेंगे। सिर्फ व्रतियों की गाड़ियां खजांची रोड से पटना कॉलेज और साइंस कॉलेज मैदान में पार्किंग के लिए जा सकेंगी। कारगिल चौक से पश्चिम शाहपुर तक छठ व्रतियों के ही वाहनों का परिचालन होगा। गायघाट की ओर जाने वाली गाड़ियां पुराना या न्यू बाइपास से धनकी मोड़, शीतला माता मंदिर या बिस्कोमान गोलंबर होकर जाएंगी। इस दौरान जेपी गंगा पथ का उपयोग वर्जित रहेगा। जेपी गंगा पथ पर वाहनों का परिचालन पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। इमरजेंसी गाड़ियों पर यह व्यवस्था लागू नहीं होगी। छठ पूजा के दिन व्रतियों की गाड़ियां खजांची रोड से अशोक राजपथ तक जाएगी। कॉलेज मैदान में पार्किंग बनाई गई है। इसके अलावा साइंस कॉलेज, आयुक्त कार्यालय के सामने, गांधी मैदान गेट नंबर-10 के अंदर पार्किंग की व्यवस्था रहेगी।

अशोक राजपथ पर वाहनों की नो एंट्री : अशोक राजपथ पर छठ व्रतियों की गाड़ियों को छोड़कर सभी एंट्री पॉइंट बंद रहेगा। 7 नवंबर की दोपहर 12 बजे से 8 नवंबर की सुबह 10 बजे तक तक गायघाट पुल के नीचे ऑटो और दूसरे कॉमर्शियल गाड़ियों पर रोक रहेगी। ये गाड़ियां अगमकुआं आरओबी के नीचे से बिस्कोमान गोलंबर, धनकी गोड़ से पुराना बाइपास होते गांधी मैदान सहित अन्य जगहों पर जाएंगे। गांधी मैदान की ओर से जाने वाली गाड़ियां एग्जीबिशन रोड, राजेंद्रनगर पुल, बहादुरपुर गुमटी, बाइपास, अगमकुआं से बाइपास थाना तक जाएंगी। इस दौरान सुदर्शन पथ में भी कॉमर्शियल गाड़ियों के परिचालन पर रोक रहेगी।

भीड़ वाले घाटों पर रहेगी पुलिस की तैनाती : छठ पर्व को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से तैयारी शुरू कर दी गई है। एसएसपी आशीष भारती ने फल्गु नदी के देवघाट, ब्राह्मणी घाट, बिन्देश्वरी घाट, पिता महेश्वर घाट, पुलिस लाइन के विभिन्न घाटों का निरीक्षण कर छठ व्रतियों की सुविधा के लिए कई निर्देश दिए हैं। गहरे घाटों की बैरिकेडिंग करने को कहा है। वहीं, घाटों और आने-जाने वाले रास्तों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने, अधिक भीड़ वाले घाटों पर अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती,अधिक जोखिम वाले घाटों पर एनडीआरएफ/एसडीआरएफ की तैनाती करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा संकीर्ण गलियों में आगमन और प्रस्थान के लिए अलग अलग रास्ता निर्धारित करने, मुख्य सड़क पर बेहतर यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने सहित अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। गया के एसडीएम किसलय श्रीवास्तव ने बताया कि %सभी घाटों पर हर संभव सुविधा बहाल की जा रही है। ट्रैफिक रूट तैयार किया जा रहा है। अभी इसकी घोषणा हुई है। नगर निगम की ओर से 26 घाट पर व्यवस्था की जा रही है। इसके अलावा जिस भी तालाब से जुड़े घाट पर अधिक भीड़ होने की आशंका है। वहां फोर्स और एसडीआरएफ तैनात होंगे। मुजफ्फरपुर जिले में भी छठ को लेकर जिला प्रशासन की तैयारी अंतिम चरण में है। जिले में घाट की संख्या 250 से अधिक है। इसमें 50 से अधिक खतरनाक घाट है। सभी घाटों पर दो से तीन गोताखोर की तैनाती की गई है। इसके अलावा एसडीआरएफ की टीम लगातार पेट्रोलिंग करेगी।

अटल पथ पर व्यवस्था

7 नवंबर को दिन के 11 बजे से रात 8 बजे तक और 8 नवंबर को सुबह 2 से 9 बजे तक अटल पथ से जेपी सेतु और सोनपुर की ओर सामान्य वाहनों का परिचालन प्रतिबंधित रहेगा।इस समय में सोनपुर, छपरा, हाजीपुर जाना हो तो अशोक राजपथ और रूपसपुर नहर रोड से रामजीचक आरओबी के नीचे से जेपी सेतु होते जा सकते हैं।अटल पथ पर दीघा से आर ब्लॉक की तरफ वाहनों के परिचालन पर रोक रहेगी। छठ व्रतियों के वाहन शाम 3 :30 बजे तक जेपी सेतु पूर्वी घाट तक जा सकेंगे।उसके बाद घाट पर आने वाले वाहनों की पार्किंग अटल पथ की पश्चिमी लेन में होगी और वहां से छठव्रती घाट पर पैदल जाएंगे।महापर्व छठ को लेकर गया नगर निगम ने तैयारियों में तेजी ला दी है।इस बार नगर निगम 26 चिह्नित घाटों पर विशेष व्यवस्थाएं कर रहा है।फल्गु नदी के किनारे वाले घाट पर बेसिक सुविधाएं बहाल की जा रही है।शहर के अंदर तीन घाट खतरनाक है, जो तालाब के किनारे है।इन जगहों पर गहरे पानी का साइनेज लगाने और बैरिकेडिंग करने का आदेश दिया गया है।फिलहाल फल्गु नदी के किनारे वाले घाट पर नगर निगम की ओर से हर दिन साफ सफाई कराई जा रही है।

अभी ट्रैफिक रूट फाइनल नहीं हुआ है।इसकी तैयारी की जा रही है।सभी 26 घाट पर लाइट, चेंजिंग रूम, साफ सफाई और कंट्रोल रूम बनाए जाएंगे।इसका काम चल रहा है।

पिताहमहेश्वर घाट, सीढ़िया घाट और राय बिंदेश्वरी घाट, देव घाट, केंदुई और सूर्यकुंड पर प्रशासन की विशेष नजर है।खास बात यह कि फल्गु नदी में पर्याप्त पानी होने से इस बार व्रतियों को किसी प्रकार की समस्या नहीं होगी।मेयर गणेश पासवान ने कहा, छठ पूजा लोक आस्था का पर्व है।हम सुनिश्चित कर रहे हैं कि व्रतियों को कोई परेशानी न हो।पूरे शहर में साफ-सफाई के इंतजाम युद्ध स्तर पर किए जा रहे हैं। दीपावली के बाद गंदगी को लेकर विशेष सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है।

192 कैमरों से रखी जाएगी गतिविधियों पर नजर, टीम तैनाती

पटना, एजेंसी। शहर के छठ घाटों पर जोर-शोर से तैयारी चल रही है। स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से घाटों की विशेष निगरानी होगी। 192 कैमरों से 24 घाटों की गतिविधियों पर नजर रखी जाएगी। अधिकतम भीड़-भाड़ वाले इन घाटों पर आधुनिक कैमरों को लगाया गया है। पीटीजेड कैमरे लगे हैं, जिन्हें अपने अनुसार पैन टिल्ट जूम किया जा सकता है। किसी प्रकार की संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत घाट पर तैनात अधिकारियों और सुरक्षाकर्मियों को दी जाएगी। कमांड सेंटर से घाटों की निगरानी के लिए विशेष टीम लगाई गई है। इनमें पुलिस-प्रशासन के साथ ही कमांड सेंटर के तकनीकी जानकार भी शामिल हैं। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि कोई भी व्यक्ति सुरक्षा घेरा पार न कर सके। खतरनाक घाटों पर जाने वालों पर भी नजर रखी जाएगी।

इन घाटों की होगी लाइव निगरानी

कलेक्ट्रेट घाट, महेंद्रू घाट, काली घाट, बंसी घाट, बांसघाट, पटना कॉलेज घाट, कृष्णा घाट, गांधी घाट, बड़हरवा घाट, गोलकपुर घाट, लॉ कॉलेज घाट, गुलबी घाट, कच्चा घाट, अटल पथ गोलंबर, 83 और 93 नंबर घाट, सभ्यता द्वार, समादार पार्क, कंगन घाट, कच्ची तालाब, मीनार घाट, नौजर कटरा, पाटीपुल घाट, जेपी सेतु घाट समेत अन्य कई घाट। एनआईटी पर अस्थायी कंट्रोल रूम : छठ महापर्व के अवसर पर गंगा घाटों पर जनसैलाब उमड़ता है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो इसके लिए एनआईटी घाट पर अस्थायी कंट्रोल रूम का निर्माण किया जा रहा है। इस कंट्रोल रूम में जिला प्रशासन और बिहार पुलिस के अधिकारी तैनात रहेंगे।

पटना जिले में इस बार मतदाता सूची में सवा लाख युवा नये मतदाता जुड़ेंगे

पटना , एजेंसी। पटना जिले में इस बार मतदाता सूची में सवा लाख युवा नये मतदाता जुड़ेंगे। 18 साल वर्ष पूरा करने वाले युवाओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने के लिए जिला प्रशासन सोमवार से जागरूकता अभियान शुरू करेगा। सार्वजनिक स्थलों पर नुक्कड़ नाटक के साथ शैक्षणिक संस्थानों में युवाओं को मतदाता बनने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। यह अभियान पूरे नवंबर चलेगा। अधिकारियों का कहना है कि पटना जिले में लगभग 49 लाख मतदाता हैं। इस बार सवा लाख युवा मतदाता जुड़ेंगे, जिनकी आयु पहली जनवरी 2025 को 18 साल पूरी हो रही है। यदि अगले विधानसभा चुनाव के पहले सवा लाख नये मतदाता जुड़ जाते हैं तो जिले में मतदाताओं की संख्या 50 लाख से अधिक हो जाएगी।

विशेष अभियान दिवस

मतदाता सूची में नाम जोड़ने, हटाने या परिवर्तन के लिए भारत निर्वाचन आयोग ने चार तिथि निर्धारित की है। इनमें 2, 3 , 23, और 24 नवंबर की तिथि तय की गई है। 24 दिसंबर को दावा आपत्ति का निराकरण होगा। छह जनवरी 2025 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन होगा।

कुल मतदाताओं की संख्या - 49 लाख 62 हजार 654

पुरुष मतदाताओं की संख्या - 26 लाख , 10 हजार 833

महिला मतदाताओं की संख्या - 23 लाख 51 हजार 653

ट्रांस जेंडर की संख्या - 168

सूची में नाम दर्ज कराने के लिए ऐसे करें आवेदन

मतदाता सूची में नाम दर्ज करने के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। यदि ऑनलाइन आवेदन नहीं कर सकते हैं तो अपने निकटतम मतदान केंद्र पर बीएलओ के संपर्क पर प्रपत्र 6 भर कर दे दें। आपका नाम मतदाता सूची में जुड़ जाएगा। ऑनलाइन आवेदन के लिए विभागीय वेबसाइट तथा वोटर हेल्पलाइन एप का प्रयोग किया जा सकता है। ऑफलाइन आवेदन के लिए जिला निर्वाचन कार्यालय, अनुमण्डल-प्रखंड निर्वाचन कार्यालय तथा बीएलओ से सम्पर्क किया जा सकता है। साथ ही मतदाता हेल्पलाइन 1950 का प्रयोग कर जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

विदेशी सैलानी बोले, विश्व धरोहर में शामिल हो विक्रमशिला महाविहार

भागलपुर, एजेंसी। विक्रमशिला महाविहार परिसर रविवार को विदेशी सैलानियों से गुलजार हुआ। आरवी क्लव पांडव क्रूज से कोलकाता से पटना की जल यात्रा के क्रम में 23 विदेशी सैलानियों का जत्था बटेश्वर स्थान पहुंचा। इटली, ऑस्ट्रेलिया, स्विटजरलैंड, अमेरिका और यूके के सैलानियों ने बटेश्वर पहाड़ी पर पत्थर पर उत्कीर्ण मूर्तियों को निहारा। उसके बाद सड़क मार्ग से विक्रमशिला महाविहार पहुंच महाविहार का अवलोकन किया।

सार्थक जुड़ाव के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में दें योगदानः वीसी

गया, एजेंसी। दक्षिण बिहार केन्द्रीय विश्वविद्यालय (सीयूएसबी) में संचालित मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र (एमएमटीटीसी) की ओर से गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान स्कूल (एसएमएससीएस) के सहयोग से आयोजित 15 दिवसीय अंतःविषय रिफ्रेशर कोर्स सम्पन्न हो गया। गणित, सांख्यिकी और कंप्यूटर विज्ञान विषयों में हालिया प्रगति पर ऑनलाइन मोड में आयोजित रिफ्रेशर कोर्स में देश के 20 राज्यों से 100 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। सीयूएसबी के कुलपति प्रो. कामेश्वर नाथ सिंह ने शिक्षा और टीम वर्क के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने विकसित भारत के विजन, 21वीं सदी की आवश्यक जरूरतों और एनईपी 2020 के साथ उच्च शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा की। समग्र विकास पर जोर देते हुए उन्होंने अच्छे व्यक्तित्व, अच्छे नागरिक बनाने और सार्थक जुड़ाव तथा संपर्क के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने शिक्षा, नवाचार और सामाजिक विकास के प्रति प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, जिससे विश्वविद्यालय के भविष्य के प्रयासों के लिए एक मजबूत स्वर स्थापित हुआ।

समापन समारोह में कार्यक्रम की शुरुआत डीन प्रो रौशन कुमार ने की। सीयूएसबी के सांख्यिकी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ इंद्रजीत कुमार ने पुनश्चर्या पाठ्यक्रम के 48 सत्रों के इंटरैक्टिव सत्रों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की। समापन सत्र के अंतिम दिन एनआईटी जालंधर के निदेशक प्रो. विनोद कुमार कनौजिया ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 और भारत 2047 के लिए इसके विजन पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया, जिसका लक्ष्य वर्ष 2047 तक एक परिवर्तित, समावेशी और विश्व स्तर पर संरेखित शिक्षा प्रणाली बनाना है। उन्होंने समग्र विकास के महत्व पर जोर दिया, शारीरिक, मानसिक, भावनात्मक और सामाजिक आयामों में विकास को बढ़ावा दिया। इस दौरान डॉ. तरुण कुमार त्यागी, निदेशक, एमएमटीटीसी, सीयूएसबी मौजूद रहे।

पुलिस पर हमला मामले का मुख्य अभियुक्त गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण। जिले के पहाड़पुर थाना पुलिस पर हुए हमला मामले के मुख्य अभियुक्त मनोज प्रसाद कुशवाहा को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

उक्त आरोपित को पश्चिम चंपारण जिले के मझौलिया थाना क्षेत्र से पकड़ा गया है।इसकी जानकारी देते एसपी स्वर्ण प्रभात ने बताया कि अरेराज डीएसपी रंजन कुमार के नेतृत्व में अरेराज सर्किल इंस्पेक्टर, हरसिद्धि थाना के दारोगा रविरंजन, पहाड़पुर थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार व चौकीदार तफसीर आलम, चौकीदार रामबाबू यादव सहित अन्य पुलिसकर्मियो की टीम ने इसे गिरफ्तार किया है।

इस मामले में अब तक चार गिरफ्तारी हो चुकी है,जबकि अन्य आरोपियो की गिरफ्तारी के लिए सघन छापेमारी की जा रही है।उल्लेखनीय है,कि बीते दिनो पहाड़पुर के सरैया पंचायत के लिपनी गांव में लड़की के अपहरण मामले के एक अभियुक्त को छुड़ाने के लिए पुलिस पर हमला किया गया था। जिसमे एक एसआई समेत दो पुलिसकर्मी गंभीर रूप से जख्मी हो गये थे। आरोपियो ने इस दौरान दारोगा का पिस्टल भी छीनने का प्रयास किया था।

सची हॉस्पिटल
NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)
पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल
9102779809, 9801344665
डॉ. एस. प्रसाद

छठ पर्व के लिए बने सिरसोप्ता को असामाजिक तत्वों द्वारा तोड़े जाने से उत्पन्न हुआ तनाव

- पुलिस व प्रशासन की सूझबुझ से स्थिति नियंत्रित में

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के रामगढवा थाना क्षेत्र के रघुनाथपुर पंचायत के नन्हकार गांव में छठ घाट पर बने सिरसोप्ता को असमाजिक तत्वो ने तोड़ दिया। लिहाजा इसकी सूचना पर वहां भारी तनाव उत्पन्न हो गया। सूचना पर रक्सौल एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में सुगौली इंस्पेक्टर अशोक कुमार पाण्डेय, थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार व रमेश महतो पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर जाकर त्वरित कार्यवाही की। पुलिस नें मामले को तत्काल सामान्य कर दिया है। सोमवार को एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित, एसडीपीओ धीरेन्द्र कुमार के नेतृत्व मे दोनों समुदाय के सामाजिक व गणमान्य लोगों के साथ रामगढ़वा थाना परिसर मे बैठक की गई। यहां विवादित जमीन पर कोई भी नया कार्य नही करने का एसडीएम नें दोनों पक्षो को निर्देशित किया। कहा कि छठ पर्व के बाद उक्त विवादित भूमि के मालिकाना हक पर सुनवाई होगी। तथा छठ घाट पर असमाजिक तत्व को नही जाने का भी निर्देश दिया गया। बताया जा रहा है,कि नन्हकार गांव के सरेह में स्थित एक तालाब के घाट पर नया सिरसोप्ता निर्माण के दौरान विवाद उत्पन्न हो गया। उक्त तालाब पर आमोदेई गांव के एक समुदाय के लोग अपना बता कर वहां नया निर्मित सिरसोप्ता को क्षतिग्रस्त कर देने का आरोप लगाया है। नन्हकार के ग्रामीणों के अनुसार उक्त तालाब के एक भाग पर यहां के लोग वर्षो से छठ पूजा करते आ रहे हैं। व्रतियों की संख्या में अनुमानित वृद्धि को देखते हुए इस साल दो और नया सिरसोप्ता बनाया जा रहा था। संध्या के समय ग्रामीण इसका प्लास्टर करा रहे थे तभी आमोदेई गांव से लगभग आठ दस लोग मोटरसाईकिल से वहां पंहुचकर पहले एक सिरसोप्ता को खुद क्षतिग्रस्त कर दिया और वहां पर उपस्थित लोगों को भयभीत कर उन्हीं लोगों से दूसरे सिरसोप्ता को भी तुड़वा दिया और इस दौरान वीडियो भी बना लिया। जब विरोध मे नन्हकार से ग्रामीण आने लगे तो वे लोग फरार हो गए। उक्त तालाब जिसपर नन्हकार के ग्रामीण छठ व्रत करते हैं इसको आमोदेई के ग्रामीण अपना पूर्वजों के समय से निजी तालाब बताते हैं। इस पर छठ पर्व करने को लेकर इसके पहले भी विवाद हो चुका है। लोकसभा चुनाव के दौरान यहां पंचायती भी हुई थी। जिसमें उक्त तालाब के एक भाग वहां के हिन्दुओं को छठ पर्व के लिए दिया जा चुका है। यहां इसका खूंटा लगाकर सीमांकन भी किया गया था। बताया गया विवाद दो नए सिरसोप्ता निर्माण के बाद उत्पन्न हुआ। नन्हकार के लोगों का मानना है कि वे लोग पंचायती मे मिली जमीन के अंदर सिरसोप्ता बना रहे थे। लेकिन आमोदेई के लोगों का मानना है कि वे लोग नए सिरसोप्ता का निर्माण दिए गए जमीन से बाहर कर रहे थे। इसलिए इनको बनाने से रोका गया। इनलोगों नें सिरसोप्ता को क्षतिग्रस्त नहीं किया है। यह आरोप गलत है। मिली जानकारी के अनुसार घटना के बाद अगर पुलिस व प्रशासन एक्टिव नहीं होती तो दो समुदायों के बीच यह विवाद खराब रूप ले सकता था।फिलहाल डीएम व एसपी के निर्देश पर रक्सौल एसडीएम शिवाक्षी दीक्षित,एसडीपीओ धीरेंद्र कुमार के नेतृत्व में सुगौली इंस्पेक्टर अशोक कुमार पांडेय,बीडीओ राकेश कुमार सिंह, अंचलाधिकारी राजा कुमार थानाध्यक्ष अमरजीत कुमार,अपर थानाध्यक्ष विवेक कुमार नें स्थानीय मुखिया नसीबुल हक,जाने अलाम,पूर्व मुखिया मनोज सिंह,मोहम्मद मूसा,शेख कलाम,सोनू पचौरी,जेड अहमद सहित सैकड़ों लोगों के साथ शांति के लिए बैठक कर तनाव को समाप्त करा लिया गया।

संक्षिप्त समाचार

पांच चरणों में होगा पैक्स चुनाव

बीएनएम। मोतिहारी । पैक्स चुनाव का बिगुल जिले में बज चुका है। जिला प्रशासन द्वारा इसकी तैयारी भी जोरों से की जा रही है। सोमवार को जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल की अध्यक्षता में उनके कार्यालय कक्ष में पैक्स निर्वाचन के लिए गठित पैक्स कोषांग के सभी संबंधित पदाधिकारियों साथ तैयारियों की समीक्षा की गई। उक्त समीक्षा के क्रम में जिला सहकारिता पदाधिकारी द्वारा बताया गया कि कुल 336 पैक्स का निर्वाचन जिले में 26 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच 5 चरणों में किया जाएगा। पैक्स निर्वाचन के लिए कुल 1320 बूथ चिन्हित किए गए हैं, जिसमें कुल 8 लाख, 27 हजार मतदाता के भाग लेने की उम्मीद है।

विशेष आम सभा में सेविका व सहायिका का चयन

बीएनएम। केसरिया। प्रखण्ड क्षेत्र के लोहरगाँवा स्थित संस्कृत उच्च विद्यालय परिसर में सोमवार को प्रभारी पदाधिकारी सह अवर निर्वाचन पदाधिकारी चकिया की अध्यक्षता में आंगनबाड़ी सेविका व सहायिका चयन को लेकर विशेष आम सभा आयोजित की गई। इस दौरान लोहरगाँवा पंचायत के वार्ड संख्या आठ स्थित केंद्र 224 के सेविका पद पर मृदुला रानी व सहायिका के पद पर रौशनी कुमारी का चयन किया गया। नव चयनित सेविका/सहायिका को प्रभारी पदाधिकारी सह अवर निर्वाचन पदाधिकारी चकिया मो तौसीफ इकबाल अहमद ने चयनपत्र दिया। विशेष आम सभा में मौजूद सीडीपीओ रघुवंश कुमार ने बताया कि वर्ष 2019-20 में इस केंद्र के लिए सेविका/सहायिका का चयन होना था। सेविका पद के लिए 14 आवेदन मिला था। लेकिन अपरिहार्य कारण से चयन प्रक्रिया पूरी नहीं की जा सकी थी। जिसको सोमवार को पूरा किया गया। मौके पर महिला पर्यवेक्षिका अम्बालिका कुमारी, वार्ड सदस्य शिवनाथ पासवान, पंच छठू पासवान सहित अन्य मौजूद थे।

देशी चुलाई शराब भट्ठी को किया गया ध्वस्त

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न जगहों पर एलएफटी टीम व स्थानीय पुलिस ने संयुक्त रुप से छापेमारी करते हुए देशी चुलाई शराब भट्ठी को ध्वस्त करते हुए एक हजार लीटर चुलाई शराब को विनष्ट किया है। थानाध्यक्ष सुरेश कुमार यादव ने बताया कि जयसिंहपुर चिलराव, राजारामपुल, वेलघटी दलित बस्ती व खगनी कुंडा में छापेमारी की गई। जहां खगनी कुंडा में नदी किनारे जमीन के अंदर प्लास्टिक के ड्राम में छुपा कर रखे पास (चुलाई शराब बनाने वाले सामग्री)मीठा, महुआ व अन्य समान को तोड़फोड़ कर नष्ट किया गया। साथ ही एक लीटर शराब जमीन पर बहा दिया गया। छापेमारी दल में एलटीएफ इंस्पेक्टर संजीव कुमार व थाना के एसआई संतोष कुमार, कंहैया कुमार सहित चौकिदार व पुलिस बल शामिल थे।

मादक पदार्थ ब्राउन सुगर के साथ ड्रग्स कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी । जिले के हरैया थाना पुलिस ने मादक पदार्थ ब्राउन सुगर के साथ एक कारोबारी को गिरफ्तार किया हैं। इसकी जानकारी देते हुए रक्सौल अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी धीरेंद्र कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर आइसीपी बाइपास रोड में ओवरब्रीज के पास छापेमारी कर तुमड़ीया टोला निवासी सहादत मियां के पुत्र नयाज नबी के पास से 134 ग्राम मादक पदार्थ ब्राउन सुगर बरामद किया गया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि आरोपी व्यक्ति वहां ब्राउन सुगर की खेप किसी दूसरे व्यक्ति को देने के लिए खड़ा है।जिसके बाद छापेमारी के लिए टीम गठित कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने बताया कि नयाज नबी पर पहले से भी एनडीपीएस एक्ट का मामला दर्ज है और वर्ष 2022 में भी वह जेल जा चुका है।उक्त छापेमारी में हरैया थानाध्यक्ष अंजन कुमार के अलावे हरैया थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

मुस्लिम महिला ने छठव्रतियो के बीच किया साड़ी वितरण

बीएनएम। मोतिहारी । धर्म से ऊपर उठ कर छठ व्रतियों के सहायता में मुस्लिम महिला ने चकिया में साड़ी का वितरण किया। जिसकी काफी तारीफ की जा रही है। लोगो ने मुस्लिम धर्म की महिला द्वारा गरीब छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण को देश की गंगा जमुना संस्कृति देश की अखंडता व एकता को प्रदर्शित करने वाला बताया है। उल्लेखनीय है,कि महापर्व छठ के नहाय खाये के एक दिन पूर्व चकिया अनुमंडल क्षेत्र के शीतलपुर मॉल परिसर में महिला विकास मंच की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष फातिमा खातून द्वारा लगभग एक सौ छठ व्रतियों के बीच साड़ी का वितरण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए फातिमा ने कहा कि छठ पर्व लोक आस्था का महापर्व है। कहा कि यह एक ऐसा महापर्व है जो सामाजिक विषमताओं को दूर करता है। इसके माध्यम से हम एकता और सदभाव का माहौल कायम करते हैं। उन्होने कहा कि छठ व्रतियों की सहायता और उनके पर्व में सहयोग करना जिंदगी का सबसे बड़ा पुनीत कार्य है। वितरण कार्यक्रम में चकिया अध्यक्ष सुमन देवी, उपाध्यक्ष इंदु देवी, संयोजक गोलू कुमार, नीलू कुमारी, जानकी देवी, माला देवी, माधुरी देवी समेत काफी संख्या में स्थानीय लोग शामिल थे।

बाल हृदय योजना में बिहार में पहले स्थान पर है पूर्वी चंपारण- एसीएमओ

बेहतर कार्य करने वाले डॉक्टर, एएनएम, फार्मासिस्ट कर्मवीरों को दिया गया सम्मान- डॉ. श्रवण कुमार पासवान

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के समाहरणालय परिसर स्थित राधाकृष्ण भवन सभागार में राष्ट्रीय बाल हृदय योजना की त्रैमासिक बैठक सोमवार को आयोजित की गई जिसमें पूरे बिहार में प्रथम स्थान प्राप्त करने पर पूर्वी चंपारण आरबीएसके टीम को सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह और अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी ने प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। मौके पर अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान ने बताया कि बिहार में सबसे ज्यादा 190 बाल हृदय रोगियों को मुख्यमंत्री बाल हृदय योजना के अन्तर्गत चिकित्सा हेतु पटना आईजीआईसी एवं श्री सत्य साई अस्पताल अहमदाबाद भेजा गया। इसके लिए उन्होंने जिले के समन्वयक डॉ. शशि मिश्रा व सभी आरबीएसके टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि बाल हृदय मरीजों की सेवा करने वाले चिकित्सक फार्मासिस्ट व सहयोगियों को वर्ष 2024-25 "कर्मवीर" का दर्जा देते हुए प्रशस्ति पत्र देकर जिलास्तर पर सम्मानित किया गया है।

इन्हें मिला कर्मवीर का सम्मानः आरबीएसके की जिला समन्वयक सह डीआईईसी डॉ. शशि ने बताया कि डॉ. चन्द्रभूषण कुमार, रामगढ़वा, डॉ. शशिभूषण प्रसाद, संग्रामपुर, डॉ. विनोद कुमार सिंह, कोटवा, मो. शमीम, फ़ार्मासिस्ट, पीपराकोठी, मोहम्मद अताउर रहमान, घोड़ासहन, मो. शमीम अख्तर, बंजरिया, मार्कन्डेय कुमार सिंह, बंजरिया, पंकज कुमार सिंह, तुरकौलिया, डॉ. मधुप कुमार श्रीवास्तव, आयुष चिकित्सक, चिरैया, अफजल इकबाल, फार्मासिस्ट, चिरैया, संगीता कुमारी, एएनएम, चिरैया, डॉ. खालिद अख्तर, आयुष चिकित्सक, सदर प्रखण्ड, मोतिहारी, मोहम्मद शकील, फार्मासिस्ट, वीणा द्विवेदी, एएनएम, मुन्नी कुमारी, एएनएम, केसरिया, आनन्द कुमार, एम्बुलेन्स कंट्रोल, चंद्रभानु सिंह, जिला स्वास्थ्य समिति, देवेन्द्र प्रसाद, बंजरिया और प्रमोद कुमार को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर आरबीएसके टीम को सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने धन्यवाद देते हुए आगे भी ऐसे ही समन्वय बनाकर कार्य करने का सुझाव दिया।

छठ पर्व पर मुस्लिम युवाओ ने पेश किया सांप्रदायिक सौहार्द की मिसाल

घाट जाने वाली सड़को की साफ सफाई

बीएनएम। मोतिहारी

लोक आस्था के महापर्व छठ पर मुस्लिम वर्ग के लोगों ने सहयोग कर सांप्रदायिक सद्भाव की मिसाल पेश किया है। इसका उदाहरण पूर्वी चंपारण जिले के सुगौली नगर के बंगरा गांव में देखने को मिला है।जहां के मुस्लिम समुदाय के युवाओ छठ पूजा को लेकर घाट जाने वाली सड़कों की साफ-सफाई करते दिखे। ग्रामीण अजहर अंसारी,जाकिर हवारी,जाहिद हुसैन ने कहा कि यह आस्था का पर्व है।जिसमे समाज के हर वर्ग के लोगो की भागीदारी होनी चाहिए।ऐसे में हम सब मिलकर छठ घाट पर अर्घ्य को लेकर तैयारियां कर रहे है। इसको लेकर छठ घाटों,सड़क तथा क्षतिग्रस्त सड़क की मरमती कार्य के लिए दिल से हमलोग लगे हुए हैं। इस संदर्भ में मठाधीश बाबा महंत मनीष दास ने बताया कि दोनों समुदायों के लोग एक साथ किसी भी त्योहार को मिल जुलकर मना रहे हैं यह एक बहुत बड़ी खुशी की बात है। बीते कई वर्षों से दोनों समुदाय के लोग किसी भी धर्म के आयोजन में शामिल होकर आयोजन को सफल करते हैं। यहां कोई जाति धर्म नहीं देखा जाता है। मुस्लिम के पर्व में भी गैर मुस्लिम लोग बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हैं। इस गांव में छठ पूजा के दिन घाट पर छठ पूजा देखने के लिए काफी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोग पहुंचते हैं। तथा उगते सूर्य के अर्घ्य के साथ ही पर्व पूरा होने के बाद प्रसाद मांग कर ग्रहण करते हैं। जिससे माहौल भक्तिमय बना रहता है।

66 लीटर विदेशी शराब व स्कॉर्पियो समेत तीन कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

हरसिद्धि थाना क्षेत्र के मानिकपुर हसुआहां पंचायत के लालगंज वार्ड नंबर 3 में हरसिद्धि पुलिस ने रविवार की देर शाम छापेमारी कर 66 लीटर विदेशी शराब व एक स्कॉर्पियो गाड़ी सहित तीन कारोबारी को गिरफ्तार किया है। थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर निर्भय कुमार राय ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर लालगंज के अभिनंदन कुमार के घर छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम में अभिनंदन कुमार भागने में सफल रहा। वहीं मोतीलाल साह पिता सीताराम साह, रवि रंजन कुमार, पिता- मोतीलाल साह तथा अमन कुमार, पिता- मोतीलाल साह को गिरफ्तार कर लिया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि उसके घर में 750 एमएल की चार बोतल रॉयल स्टैज, स्कॉर्पियो गाड़ी से 180 एम एल का 350 पीस फ्रूटी कुल 66 लीटर विदेशी शराब को जप्त किया गया। वहीं गाड़ी को भी जप्त कर लिया गया तथा तीनों कारोबारी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि कारोबारियों से पूछताछ की जा रही है। पूछताछ के बाद सभी को जेल भेज दिया जाएगा। छापेमारी दल में अरेराज सर्किल इंस्पेक्टर पूर्णकाम सामर्थ, थानाध्यक्ष निर्भय कुमार राय , एसआई रविरंजन कुमार, एसआई राजेश कुमार, सिपाही फुल कुमार महाल्दार, सिपाही सत्यनारायण कुमार, चौकीदार तफसीर आलम, चौकीदार मनु यादव व सशस्त्र बल शामिल थे।

मोतिहारी पुलिस के लिए बीता माह उपलब्धियो से रहा भरा,अब भी कई चुनौतियां

रिकार्ड गिरफ्तारी और सख्ती से अपराधियों और शराब माफियाओं में दिखने लगा भय

बीएनएम। मोतिहारी

पुलिस कप्तान स्वर्ण प्रभात के निर्देश पर बीते अक्टूबर माह में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्र में चलाये गये विशेष अभियान में पुलिस ने शानदार उपलब्धि हासिल किया है। जाहिर है कि पुलिस ने महज तीस दिनो के अंदर कुल 2206 अपराधियो को गिरफ्तार किया है। जिसमें 1755 अपराधियो को जेल भेजा गया है। जिसमें हत्याकांड के 24, हत्या के प्रयास में 66, दहेज हत्या के 09, लूट व डकैती कांड 21, बलात्कार के 02, अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार कांड के 26, पुलिस पर हमला मामले के 03, एनडीपीएस के 31, चोरी कांड के 56, आम्स एक्ट के 50 आरोपी शामिल है। इसके अतिरिक्त बात की जाये तो जिला पुलिस द्वारा शराब के विरूद्ध चलाये अभियान में बीते एक माह में 454 शराब सप्लायर व शराब सेवन करने वाले 648 लोग पकड़े गये है। वही 15349.22 लीटर देशी व 2977.753 लीटर विदेशी शराब के साथ ही 4203.9 लीटर अवैध स्प्रिट की भी बरामदगी की गई है। जिला पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार पुलिस ने इसके अतिरिक्त 583 ट्रायल वारंटी को भी गिरफ्तार किया है। बताया गया है, कि पुलिस के सघन अभियान व दबिश के कारण 06 इनामी बदमाशो ने भी कोर्ट में सरेंडर किया है। इससे इतर यातायात नियमो की बात की जाये, तो सड़को पर पुलिस के सख्ती के दौरान नियमो के उल्लंघन करने वालो से बीते एक माह में कुल 1.10 करोड़ की शमन राशि वसूल की गयी है। जिसमें बिना हेलमेट वालो से 61.9 लाख, सीट बेल्ट नही लगाने वालो से 2.59 लाख, बिना इंश्योरेंस वाहनो से 6.28 लाख, अवैध पार्किंग से 8.42 लाख, नो इंट्री में वाहन चलाने वालो से 1.04 लाख, ट्रिपल राइडिंग करने वालो से 8.09 लाख, गलत ड्राइविंग व लहेरिया कट वालो से 4.09 लाख व यातायात बाधित करने वालो से 15 हजार जुर्माना वसूली गई है। सबसे दिलचस्प है कि इनदिनों अवस्यको की बाइक सड़क नहीं लाने सड़को पर चलने वाले काफी राहत महसूस कर रहे है। उनके अंदर एक भय धर गया था, कि ये अवस्यक बाइक जितनी तेजी में चला रहे है, अगर संतुलन बिगड़ा तो राह चलने वाले कब इनके शिकार बन जाते कहना मुश्किल बन रहा था। एसपी के प्रयास से शहर में लगने वाले जाम से कमोवेश कमी हुई है। लेकिन इसपर और कार्य करने की जरूरत है। खासकर मोतिहारी-अरेराज, मीनाबाजार-छतौनी चौक, अस्पताल गेट, स्टेशन रोड पर जाम की स्थिति से निपटना एक बड़ी चुनौती है।वही पुलिस कर्मियो में एक बड़ी कमी कांडो के निष्पादन में देखने को मिलता है। पुलिस के संबंधित अधिकारी कांडो के निष्पादन के प्रति अगर सख्त हो जाये, तो लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में एक बेहतर कार्य होता। हालांकि नये पुलिस कप्तान इस मामले में गंभीर है। अनुसंधान के बाद अंतिम प्रतिवेदन की जिम्मेवारी एवं जबाबदेही खुद एसपी की बनती है, ऐसे में जिस तीव्र गति के साथ एसपी श्री प्रभात चौतरफा कार्य करने के लिए जाने जाने लगे है, निश्चित तौर पर आने वाले दिनों में केस पेंडिंग की शिकायतो पर विराम लग जायेगा। बहरहाल देखना दिलचस्प होगा कि आने वाले दिनों में पुलिस की कार्यशैली में और कितना बदलाव हो रहा है, जानने योग्य होगा कि अबतक की रिकार्ड में पुलिस कप्तान की कप्तानी गोपालगंज में काफी सरहानीय रही है। ऐसे में लोगो में उम्मीदे जगी है और धीरे-धीरे जिला के अमन पसंद लोग भी यह मानने लगे है,कि जिला पुलिसिंग में सुधार हो रहा है।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

छठ महापर्वः शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने के लिए डीएम व एसपी ने जारी किया गया संयुक्त आदेश

- संयुक्तादेश में **711** स्थलों पर दण्डाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की हुई है प्रतिनियुक्ति
- महत्वपूर्ण छठ घाटों पर सादे लिवास में पुलिस करेगी निगरानी
- चिन्हित किए गए घाटों पर एसडीआरएफ टीम व आपदा मित्र की भी रहेगी तैनाती
- शहरी क्षेत्रान्तर्गत श्रद्धालुओं की भीड़ एवं छठ घाटों पर सतत् निगरानी रखने हेतु सेक्टर का गठन करते हुए किया गया सेक्टर पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति
- छठ घाटों एवं पूजा स्थलों पर पटाखा छोड़ने पर प्रतिबंध
- निजी नाव के परिचालन पर लगाई गई है रोक वहीं छठ पर्व को शांतिपूर्ण संपन्न करने के लिए क्विक रिस्पांस टीम का किया गया है गठन
- जिला नियंत्रण कक्षके दूरभाष संख्या- **06252 -242418** पर दी जा सकती है सूचनाएं

बीएनएम। मोतिहारी

जिला दण्डाधिकारी सौरभ जोरवाल एवं पुलिस अधीक्षक स्वर्ण प्रभात के द्वारा लोक आस्था का महापर्व छठ पर्व को शांति पूर्वक संपन्न कराने को लेकर जारी किए गए संयुक्तादेश में बताया गया है, कि इस वर्ष छठ पूजा 05 नवम्बर 2024 को नहाय खाय के साथ प्रारंभ होगा और 06 नवम्बर को खरना, 07 नवम्बर को षष्ठी अर्घ्य एवं 08 नवम्बर को सप्तमी अर्घ्य मनाए जाने की सूचना है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सभी प्रमुख छठ घाटों, भीड़भाड़ वाले स्थान यथा हाट बाजार, नगर क्षेत्र आदि में असामाजिक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखें एवं सौहार्द को बिगाड़ने वालों के विरुद्ध तुरंत कड़ी कार्रवाई करें। सभी थानों को अलर्ट मोड में रहने एवं गस्ती को लगातार जारी रखने का निर्देश दिया गया है। सभी प्रतिनियुक्ति दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारी को स्वंय भ्रमणशील रहकर शांति व्यवस्था का अनुश्रवण करते हुए यातायात व्यवस्था एवं विधि-व्यवस्था संधारित करने का निर्देश दिया गया है। पर्व के अवसर पर असामाजिक तत्वों/गुण्डा तत्वों एवं साम्प्रदायिक तत्वों के विरूद्ध पूर्व में ही निरोधात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। इसलिए सभी थानाध्यक्ष/ओपी अध्यक्ष

ऐसे तत्वों के विरूद्ध दण्ड प्रक्रिया संहिता के अन्तर्गत कार्रवाई करेंगे, ताकि किसी प्रकार की अशांति अथवा तनाव होने पर ऐसे तत्वों की गिरफ्तारी कर कठोर कार्रवाई करने से नहीं हिचकेंगे। भीड़-भाड़ में अफवाह के कारण भीड़ के अनियंत्रित होने कि किसी भी परिस्थिति से निपटने के लिए पूर्व तैयारी कर लेने का निर्देश देते हुए कहा गया है कि आकस्मिकता से निपटने के लिए रोशनी की समुचित व्यवस्था, आवागमन के लिए अतिरिक्त सुरक्षित रास्ते एवं ध्वनि विस्तारक यंत्र से समय-समय पर सूचनाओं का प्रसारण कराने का निर्देश दिया गया है। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को सभी जरूरी निर्देश के साथ इसे सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया गया है। सभी महत्वपूर्ण छठ घाटों पर आवश्यकता का आकलन कर वाच टावर एवं सीसीटीवी कैमरा लगाने तथा वीडियोग्राफर की प्रतिनिधि करने का निर्देश दिया गया है। घाटों पर पटाखा नहीं छोड़े जाए इसके लिए ध्वनि विस्तारक यंत्र से लगातार अपील करने की बात कही गई है। छठ पूजा के अवसर पर विधि व्यवस्था संधारित रखने हेतु जिले के सभी संवेदनशील स्थलों सहित छठ घाटों पर 711 जगहों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति की गई है। इसके अंतर्गत मोतिहारी अनुमंडल में 257, पकड़ी दयाल अनुमंडल में 90, अरेराज अनुमंडल में 76, चकिया अनुमंडल में 69, सीकरहना अनुमंडल में 172 एवं रक्सौल अनुमंडल में 47 स्थान पर दंडाधिकारी एवं पुलिस बल्कि प्रतिनियुक्ति की गई है।इसके अतिरिक्त यदि किसी स्थानों पर बल की प्रतिनियुक्ति की आवश्यकता हो, तो थानाध्यक्ष को अपने स्तर से पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति करने का निर्देश दिया गया है। जिला स्तर पर 24 घंटा कार्यरत कंट्रोल रूम बनाया गया है जिसमें तीन पालियों में पदाधिकारी एवं कर्मियों की प्रतिनियुक्ति की गई है। जिला कंट्रोल रूम 06252- 242418 पर कार्यरत है। इसके अतिरिक्त चिन्हित घाटों का पास मोतिहारी अनुमंडल अंतर्गत 10, सिकरहना अनुमंडल अंतर्गत 03, चकिया अनुमंडल अंतर्गत 02, पकड़ीदयाल अनुमंडल अंतर्गत 02, अरेराज अनुमंडल अंतर्गत 02 तथा रक्सौल अनुमंडल अंतर्गत 03 स्थान सहित कुल 22 जगहों पर अतिरिक्त नियंत्रण कक्ष की स्थापना कराई जा रही है ताकि छठ पूजा के व्रतियों/श्रद्धालुओं को किसी भी तरह की सुविधा का सामना नहीं करना पड़े। वहीं सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि छठ पर्व के दौरान जिला नियंत्रण कक्ष के साथ-साथ सभी प्रमुख छठ घाटों पर वे अपने स्तर से एक एम्बुलेंस एवं आवश्यक दवाओ के साथ मेडिकल टीम की प्रतिनियुक्ति करना सुनिश्चित करेंगे। अग्नि शाम पदाधिकारी, पूर्वी चंपारण को निर्देश दिया कि अग्नि शाम वाहन की प्रतिनियुक्ति सभी सुविधाओं के साथ जिला नियंत्रण कक्ष में करना सुनिश्चित करेंगे। कार्यपालक अभियंता, विद्युत आपूर्ति प्रमण्डल मोतिहारी, चकिया एवं रक्सौल को निर्देश दिया गया कि वे अपने क्षेत्रान्तर्गत छठ घाटों पर पूजा समितियों द्वारा लगाये गये विद्युत आपूर्ति की जाँच सुरक्षा के दृष्टिगत पूर्व में ही करना सुनिश्चित करेंगे, यदि विद्युत आपूर्ति में किसी प्रकार की त्रुटि हो तो पूजा समितियों से समन्वय कर उसे ठीक करना सुनिश्चत करेंगे। सभी अंचलाधिकारी को अपने-अपने क्षेत्रान्तर्गत नदी एवं खतरनाक तालाब घाटों पर मोटर/नाव एवं नाविक को महाजाल, रस्सा, गोताखोर इत्यादि के साथ प्रतिनियुक्त करने का निर्देश दिया गया। साथ ही प्रभारी पदाधिकारी, जिला आपदा प्रबंधन, पूर्वी चंपारण से समन्वय कर लाईप जैकेट इत्यादि की व्यवस्था भी पूर्व से ही कर लेंगे। इसके साथ ही सभी अनुमण्डल पदाधिकारी, अनुमण्डल पुलिस पदाधिकारी, प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, अंचलाधिकारी, थानाध्यक्ष, ओ.पी. अध्यक्ष को उक्त पर्व को शांतिपूर्वक सम्पन्न कराने के लिए छोटी सी छोटी चीजों का ध्यान रखने एवं आसुचना तंत्र को मजबूत करने का निर्देश दिया गया है। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक के द्वारा संपूर्ण जिलावासियों से लोक आस्था के इस महापर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई है।

सदर अस्पताल में साफ-सफाई के साथ चिकित्सकिय व्यवस्था को करें सुदृढ़ः नगर आयुक्त

- एसडीएम व नगर आयुक्त ने किया सदर अस्पताल का निरीक्षण
- मरीजों से बात करने के साथ ही, जाँच, दवाओं,चिकित्सा व्यवस्था व एमसीएच बिल्डिंग का किया मुआयना

बीएनएम। मोतिहारी

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था के सुदृढ़ीकरण हेतु सदर अस्पताल का एसडीएम सदर श्वेता भारती एवं नगर आयुक्त सौरभ सुमन यादव ने सोमवार को निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संयुक्त रूप से सदर अस्पताल के ओपीडी, एमसीएच, इमरजेंसी, दवाखाना, मरीज वार्ड, ब्लड बैंक, रजिस्ट्रेशन काउंटर और साफ-सफाई का जायजा लिया। एसडीएम ने सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह व मौके पर मौजूद डॉ. अमृतांशु को बिल्डिंग व परिसर की साफ-सफाई व चिकित्सकिय व्यवस्था को सुदृढ़ करने का निर्देश दिया। मौके पर वार्ड में उपस्थित मरीजों से बात करने के साथ ही जाँच, दवाओं, चिकित्सा व्यवस्था व बिल्डिंग का हाल जाना। उन्होंने

बताया की समय-समय पर सतत निगरानी की जाएगी। वहीं गड़बड़ी पाए जाने पर दण्डित करने के साथ ही विभागीय कार्रवाई की जाएगी। एसडीएम ने कहा कि किसी भी जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था में सदर अस्पताल महत्वपूर्ण इकाई है। गरीब जनता के लिए यहां बेहतर सुविधा होनी चाहिए।

डेंगू वार्ड को रखें दुरुस्त- अधिकारीयों ने डेंगू वार्ड की व्यवस्था की जानकारी लेते हुए भर्ती मरीज को सुविधाओं व इलाज की जानकारी प्राप्त की एवं स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए। सिविल सर्जन डॉ. विनोद कुमार सिंह ने बताया कि जिलेभर में डेंगू प्रभावित शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में फॉगिंग एवं कीटनाशक दवा का छिड़काव किया जा रहा है। डेंगू रोग के संक्रमण से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए रणनीति के क्रियान्वयन हेतु जिला, अनुमंडल, प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों एवं सहयोगी संस्थानों द्वारा विशेष नजर रखी जा रही है। नगर निगम, नगर परिषद, नगर पंचायत, डीभीबीडीसीओ कार्यालय, सभी पीएचसी स्तर पर व्यापक पैमाने पर फॉगिंग एवं दवा का छिड़काव किया जा रहा है। डेंगू से बचाव हेतु जागरूकता अभियान चलाकर आमजन को प्रेरित किया जा रहा है। मौके पर एसडीएम श्वेता भारती एवं नगर आयुक्त सुमन सौरभ यादव, सीएस डॉ. विनोद कुमार सिंह, अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. श्रवण कुमार पासवान, डॉ. अमृतांशु, डॉ. सुनील कुमार सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

डीएओ ने थोक व खुदरा उर्वरक विक्रेताओं के साथ किया बैठक, दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

- निर्धारित मूल्य पर ही किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी उर्वरक
- गड़बड़ी करने वाले उर्वरक विक्रेता को उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के सुसंगत धाराओं के तहत की जाएगी कार्रवाई
- उर्वरक बिक्री में उर्वरक के साथ कोई भी अन्य प्रोडक्ट टैग्ड करके नहीं देने का डीएओ ने दिया निर्देश

बीएनएम। मोतिहारी

जिला कृषि पदाधिकारी मनीष कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिले के सभी थोक उर्वरक विक्रेता एवं विभिन्न कंपनी के क्षेत्रीय पदाधिकारियों के साथ जिला सभागार में बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी श्री सिंह द्वारा रबी मौसम में उर्वरक की बिक्री एवं सुगमतापूर्वक निर्धारित मूल्य पर किसानों तक उर्वरक पहुंचाने के संबंध में चर्चा की गई। डीएओ ने सभी थोक उर्वरक विक्रेताओं को निर्देशित करते कहा कि उर्वरक बिक्री में उर्वरक के साथ कोई भी अन्य प्रोडक्ट टैग्ड करके नहीं दिया जाय। अगर किसी भी खुदरा उर्वरक विक्रेता द्वारा यह शिकायत किया जाता है कि उन्हें जबरदस्ती उर्वरक के साथ अन्य प्रोडक्ट टैग्ड किया जा रहा है तो वैसे थोक उर्वरक विक्रेता को चिन्हित करते हुए उर्वरक नियंत्रण आदेश 1985 के सुसंगत धाराओं के तहत कार्रवाई किया जायेगा। वहीं सभी खुदरा उर्वरक विक्रेताओं को

निर्देश दिया कि सभी विक्रेता सरकार के निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक की बिक्री करें। जिला कृषि पदाधिकारी द्वारा सभी कृषि समन्वयक, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक, सहायक तकनीकी प्रबंधक एवं किसान सलाहकार को निर्देश दिया कि सभी कर्मी अपने आवंटित प्रतिष्ठान पर नियमित रूप से उपस्थित रहकर सरकार के जीरो टॉलरेंस नीति के तहत उर्वरक की बिक्री एवं सतत् निगरानी रखना सुनिश्चित करें। मौके पर सभी थोक उर्वरक विक्रेता, सभी कंपनी के क्षेत्रीय पदाधिकारी, सहायक निदेशक प्रक्षेत्र शिव शंभु कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

सुगौली एचपीसीएल बायोफ्यूल चीनी मिल ईकाई के पेराई सत्र का डीएम ने किया शुभारंभ

- पेराई सत्र में 50 लाख क्विंटल गन्ना पेराई का रखा गया है लक्ष्य

बीएनएम। सुगौली

एचपीसीएल की ईकाई सुगौली चीनी मिल के गन्ना पेराई सत्र का शुभारम्भ जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल फीता काट कर दिया गया। शुभारंभ के बाद पेराई सत्र का कार्य निर्विघ्न रूप से संपन्न हो इस हेतु वैदिक मंत्रोचार के बीच इकाई के उप महाप्रबंधक (गन्ना) शैलेन्द्र कुमार मिश्र ने परंपरा के मुताबिक सभी मिल के सभी यंत्रो, तौल सेतुओ, गन्ना लाये हुए किसान, गाड़ीवान एवं बैलों की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने बीएनएम संवाददाता से इस पेराई सत्र की जानकारी साझा करते हुए बताया कि पेराई सत्र 2024-25 में 50 लाख क्वींटल गन्ना पेराई का

लक्ष्य रखा गया है। पूरे गन्ना का पेराई का लक्ष्य 150 दिनों का रखा गया है। महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित ने चीनी मिल प्रबंधन द्वारा गन्ने का सही तौल और समय पर किसानों को गन्ने का भुगतान की करने की नीति मिल प्रबंधन द्वारा जारी रहेगी। उन्होंने किसानों से अधिक से अधिक क्षेत्रफल में गन्ना की खेती की करने की अपील करते हुए कहा कि सुगौली का क्षेत्र में बाढ़ सुखाड़ का असर ज्यादा होने की संभावना हर वर्ष बनी रहती है।जो किसानों के अन्य फसलों को बुरी तरह से प्रभावित करती हैं।जो किसानों के लिए आर्थिक हानि का कारण भी बन जाता है। जबकि गन्ने की फसलों पर मौसम के विषम प्रतिकूलताओं का असर बेहद कम ही पड़ता है।इसलिए किसानों को अन्य फसलों की खेती करने की जोखिम से बचाव के विकल्प के रुप में गन्ने की फसलों की अधिक से अधिक खेती करनी चाहिए जो हर परिस्थिति में आर्थिक रुप से किसानों के लिए सहायक होता है। वहीं चीनी मिल का पेराई सत्र स-समय प्रारंभ होने से किसानों में बेहद खुशी है। इसके लिए किसानों ने महाप्रबंधक दीक्षित सहित पुलिस मिल प्रबंधन को धन्यवाद दिया है। किसानों ने कहा कि मिल का पेराई सत्र बिल्कुल सही समय पर हो रहा है जिससे उनके खेतों में लगे खूँटी किस्म के गन्ने के फ़सल को काटकर समय से मिल में आपूर्ति करने से उनके खेत खाली होंगे जिसमें फिर से दूसरे फसलों आलु, दलहन, तिलहन इत्यादि की खेती करने और फसलों को समुचित वृद्धि का पूरा समय मिलेगा।जो किसानों के लिए दुगुने लाभ की तरह होगा। मौके पर सुगौली प्रखण्ड की बीडीओ नुतन किरन, अंचलाधिकारी कुन्दन कुमार सहित स्थानीय एवं जिला प्रशासन के कई अधिकारी उपस्थित रहें। एचपीसीएल बॉयोफ्यूल्स लिमिटेड के मुख्य वित्त अधिकारी प्रकाश कुमार, महाप्रबंधक विजय कुमार दीक्षित, उप महाप्रबंधक (अभियंत्रण) योगेन्द्र बहादुर सिंह, भाजपा नेता रामगोपाल खंडेलवाल, प्रदीप सर्राफ, उप महाप्रबंधक (उत्पादन) रमेश शुक्ला, गन्ना प्रबंधक संजीव कुमार एवं हरिश्चन्द्र श्रीवास्तव, अभय पाण्डेय , पीयूष कुमार सहित सुगौली इकाई के सभी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें। गन्ना उत्पादक किसानों में अनिल दूबे, नागेन्द्र सिंह, विजय कुमार नायक, धर्मेन्द्र तिवारी, नरेन्द्र यादव, मो. असहाब आदि सैकड़ों किसान उपस्थित रहे।

पकड़ीदयाल डीएसपी सुबोध कुमार की भव्य विदाई समारोह आयोजित

सम्मान और यादों से सजी एक ऐतिहासिक शाम

बीएनएम। पकड़ीदयाल

अनुमंडल परिसर में सोमवार की शाम डीएसपी सुबोध कुमार का विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। डीएसपी सुबोध कुमार का पकड़ीदयाल से बनमनखी (पूर्णिया) में हो गया है। समारोह को संबोधित करते हुए सभी मंचासीन पदाधिकारी समेत प्रखंड के उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के साथ बिताए हुए पल और उनके कार्यों के लिए आभार व्यक्त करते हुए उनके स्वास्थ्य और उज्जवल भविष्य की कामना की। अनुमंडल पदाधिकारी अविनाश कुमार ने समारोह को संबोधित करते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुबोध कुमार के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने सरल स्वभाव के कारण लोगों में

इनका अच्छा प्रभाव रहा। विषम परिस्थितियों में इनके मार्गदर्शन और सही तालमेल से कार्य करने में हमेशा ही सफलता मिली। पकड़ीदयाल थाना प्रभारी शकुंतला कुमारी ने उनके साथ बिताए हुए पलों को याद करते हुए कहा कि हमें उनसे बहुत कुछ सीखने को मिला। वे हमेशा लॉ एंड ऑर्डर को संतुलित बनाए रखने के लिए सही मार्गदर्शन करते रहें। समारोह के दौरान प्रखंड के विभिन्न पंचायत के मुखिया के द्वारा विदाई गान भी प्रस्तुत किए गए। सभा में उपस्थित लोगों ने अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी को पुष्प गुच्छ, शॉल और अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुबोध कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि अब तक के कार्यालय को याद करते हुए बताया कि इन दिनों में हमने बहुत सारे उतार-चढ़ाव देखे। अपने बचपन से ही मैं अनुशासन पर ज्यादा ध्यान देता था। जिसके कारण अपने कार्यालय के दौरान सभी चीज सरल होती चली गई। और हमने सफलतापूर्वक अभी तक का कार्यालय पूरा किया है। इस विदाई सह सम्मान समारोह में प्रखंड विकास पदाधिकारी मनोज सिंह, अंचलाधिकारी रघुवेंद्र कुमार, थाना प्रभारी शकुंतला कुमारी, पताही थाना धनंजय कुमार सिंह, संजय चौधरी, शुभम शर्मा, संतोष कुमार सिंह, व्यास कुमार सिंह कामता प्रसाद गुरु के साथ प्रखंड के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

टीबी की वापसी क्यों?

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है।डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

परिसीमन का क्या पैमाना होगा?

केंद्र सरकार ने जनगणना की अधिसूचना जारी नहीं की है, लेकिन एक, जनवरी 2025 से प्रशासनिक सीमाएं सील हो जाएंगी और उससे पहले भारत के महापंजीयक और जनगणना आयुक्त मृत्युंजय कुमार नारायण का कार्यकाल अगस्त 2026 तक बढ़ा दिया गया है, जिससे यह संकेत मिल रहा है कि अगले साल जनगणना होगी। उसके अगले साल यानी 2026 में लोकसभा सीटों का परिसीमन होगा और फिर इसी आधार पर 2029 में साथ होने वाले चुनाव में एक तिहाई सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित की जाएंगी। इस बीच तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने एक बड़ा सवाल उठाया है। उन्होंने एक सामाजिक कार्यक्रम में, जहां 16 नवविवाहित जोड़ों को आशीर्वाद दिया जाना था, वहां कहा कि 'जब हम ऐसी स्थिति का सामना कर रहे हैं, जहां संसद में सीटों की संख्या कम होने वाली है तो हमें छोटा परिवार क्यों रखना चाहिए? इसके आगे उन्होंने नवविवाहित जोड़ों से ज्यादा बच्चे पैदा करने और उन्हें सुंदर तमिल नाम देने का आग्रह किया। हालांकि उन्होंने संसद में सीटों की संख्या कम होने के बारे में विस्तार से कुछ नहीं कहा लेकिन उनका इशारा परिसीमन के बाद की स्थितियों की ओर था। उनसे पहले आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू ने भी लोगों से ज्यादा बच्चे पैदा करने का आग्रह किया था। हालांकि उनका घोषित सरोकार यह था कि दक्षिण के राज्यों में आबादी बूढ़ी हो रही है और कामकाजी युवाओं की संख्या कम हो रही है। परंतु कहीं न कहीं वे भी इस बात से चिंतित हैं कि अगर आबादी के आधार पर लोकसभा सीटों का परिसीमन हुआ तो दक्षिण के राज्यों की राजनीतिक हैसियत घटेगी। तभी यह बड़ा सवाल है कि लोकसभा सीटों के परिसीमन का आधार क्या होगा? क्या सीधे तौर पर जनसंख्या के हिसाब से सीटों की संख्या में बढ़ोतरी कर दी जाएगी? अगर ऐसा हुआ तो उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र जैसे बड़ी आबादी वाले राज्यों को फायदा होगा और दक्षिण भारत के राज्य घाटे में रहेंगे। तभी चंद्रबाबू नायडू और एमके स्टालिन की चिंता सामाजिक या आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दिखती है। यह चिंता क्षेत्रीय वर्चस्व और फिर अस्मिता की राजनीति में भी बदल सकती है, जिससे एक बड़ा खतरा पैदा हो सकता है। इसलिए सरकार को परिसीमन के फॉर्मूले के बारे में तर्कसंगत तरीके से विचार करना होगा और उस पर सभी दलों व राज्यों की सहमति अनिवार्य रूप से लेनी होगी। ध्यान रहे लोकसभा सीटों का परिसीमन जम्मू कश्मीर की तरह नहीं होगा, जहां मनमाने तरीके से भौगोलिक सीमाओं का ध्यान रखे बगैर इस तरह से विधानसभा सीटों का सीमांकन हुआ कि जम्मू क्षेत्र में छह सीट बढ़ गई और कश्मीर घाटी में सिर्फ एक सीट बढ़ी। आजादी के बाद से मोटे तौर पर आबादी के आधार पर ही लोकसभा और विधानसभा सीटों की संख्या तय होती रही है। तभी उत्तर प्रदेश में 80 सीटें हैं और तमिलनाडु में 39 हैं। लेकिन आजादी के बाद राज्यों ने जनसंख्या नियंत्रण के उपायों को अलग अलग तरीके से लागू किया। आर्थिक रूप से विकसित राज्यों ने बेहतर ढंग से जनसंख्या नियंत्रण का किया तो उनके यहां जनसंख्या वृद्धि की दर राष्ट्रीय औसत से काफी नीचे आ गई। दक्षिण के राज्यों में तो जनसंख्या बढऩे की दर रिप्लसमेंट रेट से भी कम है। रिप्लेसमेंट रेट 2.1 है। इसका मतलब होता है कि अगर दो लोग मिल कर 2.1 बच्चे पैदा करते हैं तो जनसंख्या नहीं बढ़ेगी वह स्थिर हो जाएगी। दक्षिण के राज्यों में जनसंख्या बढऩे की दर 1.6 फीसदी है, जो रिप्लेसमेंट रेट से काफी कम है, जबकि उत्तर के राज्यों खास कर बिहार और उत्तर प्रदेश में वृद्धि दर रिप्लेसमेंट रेट से ज्यादा है। ऐतिहासिक रूप से यह स्थिति रही है तभी दक्षिण के राज्यों में आबादी नियंत्रित हो गई और उत्तर भारत के राज्यों में बढ़ती चली गई। हालांकि अब वहां भी रफ्तार धीमी हो रही है लेकिन उन राज्यों की जनसंख्या बहुत ज्यादा है। अगर इस आधार पर उनकी लोकसभा सीटें बढ़ती हैं तो यह उन राज्यों के साथ अन्याय होगा, जिन्होंने अपने यहां आबादी का बढऩा रोका। उन्होंने अच्छा काम किया इसके लिए उनको सजा नहीं दी जानी चाहिए। अगर सरकार पारंपरिक रूप से आबादी को आधार बनाती है ।

हैरिस हों या ट्रंप...भारत-अमेरिका संबंध होते रहेंगे सशक्त

आर.के. सिन्हा

अमेरिका में कल यानी पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए मतदान होने जा रहा है। इसको लेकर सारी दुनिया के साथ भारत में भी गहरी दिलचस्पी ली जा रही है। हालांकि यह बात तो शीशे की तरह साफ है कि अमेरिका का अगला राष्ट्रपति चाहे भारतीय मूल की कमला हैरिस बने या डोनाल्ड ट्रंप, दोनों देशों के संबंध बेहतर बने रहेंगे। भारत और अमेरिका के बीच संबंधों का एक लंबा इतिहास है, लेकिन 21वीं सदी में इन संबंधों ने एक नया आयाम ग्रहण किया है। आज यह दो लोकतांत्रिक महाशक्तियां एक-दूसरे के महत्वपूर्ण भागीदार हैं, जो वैश्विक सुरक्षा, आर्थिक विकास और तकनीकी प्रगति में साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत और अमेरिका के संबंधों का इतिहास वैसे कहें तो जटिल ही रहा है। 1947 में भारत की आजादी के बाद, अमेरिका ने भारत को शीत युद्ध के दौरान एक महत्वपूर्ण सहयोगी के रूप में देखा। हालांकि, 1960 और 1970 के दशक में भारत की गुटनिरपेक्ष नीति और अमेरिका की पाकिस्तान के साथ निकटता के कारण दोनों देशों के बीच कुछ तनाव भी देखने को मिला। 1990 के दशक में शीत युद्ध के खत्म होने और वैश्वीकरण के उदय ने भारत-अमेरिका संबंधों में एक नया अध्याय शुरू किया। दोनों देशों ने एक-दूसरे के साथ व्यापार और निवेश को बढ़ावा दिया और सुरक्षा क्षेत्र में सहयोग को मजबूत किया। आज, भारत-अमेरिका संबंध विभिन्न क्षेत्रों में गहरे और मजबूत हैं। भारत अमेरिका के लिए एक प्रमुख व्यापारिक भागीदार है और अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निवेशक है। दोनों देश एक दूसरे के बाजारों में अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई, साइबर सुरक्षा और समुद्री सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा दिया है। भारत और अमेरिका एक दूसरे के साथ तकनीकी क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं। भारत में टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में विकास की गति तेज है और अमेरिकी कंपनियां भारत के बाजार में निवेश करने में रुचि रखती हैं। इसके साथ ही, दोनों देशों के बीच शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में भी मजबूत संबंध हैं। कई भारतीय छात्र अमेरिका में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए जाते हैं और अमेरिका में भारतीय संस्कृति की उपस्थिति बढ़ रही है। हालांकि भारत-अमेरिका संबंधों में प्रगति हुई है, लेकिन कुछ चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों में कुछ असंतुलन है, जिसके कारण कुछ तनाव भी देखने को मिलता रहता है। भारत-अमेरिका संबंधों में प्रवासी भारतीयों की भूमिका भी खासी अहम रही है। अमेरिका में बसे भारतीयों ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि से दोनों देशों के बीच एक मजबूत सेतु का निर्माण किया है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिकी अर्थव्यवस्था में योगदान अविश्वसनीय है। वे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिनमें प्रौद्योगिकी, चिकित्सा, वित्त और उद्यमिता शामिल हैं। सिलिकॉन वैली में भारतीय मूल के उद्यमी और कार्यकर्ता प्रौद्योगिकी क्रांति में अग्रणी भूमिका निभाते हैं। इसके अलावा, भारतीय-अमेरिकी व्यापारियों ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रवासी भारतीयों का अमेरिका में राजनीति पर भी महत्वपूर्ण प्रभाव है। वे विभिन्न राजनीतिक दलों में सक्रिय हैं और उच्च पदों पर पहुंचते हैं। कांग्रेस और राज्य विधानसभाओं में महत्वपूर्ण संख्या में भारतीय-अमेरिकी सांसद हैं। वे दोनों देशों की सरकारों के बीच संवाद और सहयोग को बढ़ावा देने में मदद करते हैं। प्रवासी भारतीयों ने अमेरिका में भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वे भारतीय फिल्मों, संगीत, कला और साहित्य को लोकप्रिय बनाने में सफल रहे हैं। इसके अलावा, भारतीय समुदाय अमेरिका के सामाजिक और सांस्कृतिक तानेबाने में योगदान दे रहा है, बहुसांस्कृतिक समाज को मजबूत कर रहा है। बेशक, प्रवासी भारतीयों ने भारत और अमेरिका के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण किया है। वे दोनों देशों की भाषाओं, संस्कृतियों और परंपराओं को समझते हैं, जिससे दोनों देशों के बीच आपसी समझ और सहयोग बढ़ता है। वे दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण माध्यम बन गए हैं। हालांकि यह भी सच है कि प्रवासी भारतीयों को भी कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इनमें सांस्कृतिक अलगाव, भेदभाव और नस्लीय पूर्वाग्रह शामिल हैं।

हालांकि, प्रवासी भारतीयों की मेहनत, प्रतिभा और सांस्कृतिक समृद्धि ने उन्हें अमेरिका में सफलता हासिल करने और दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने में सफल बनाया है। भविष्य में, प्रवासी भारतीयों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण होती जाएगी, क्योंकि वे दोनों देशों के बीच व्यापार, शिक्षा, संस्कृति और राजनीति के क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहेंगे। प्रवासी भारतीयों का भारत-अमेरिका संबंधों पर एक बहुआयामी और सकारात्मक प्रभाव है। वे दोनों देशों के बीच आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे दोनों देशों के बीच एक अद्वितीय पुल का निर्माण करते हैं, जिससे द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने में मदद मिलती है। प्रवासी भारतीयों की भूमिका भारत-अमेरिका संबंधों के भविष्य को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इस बीच, अमेरिका में बसे भारतीयों की बात करते हुए हमें भारत में बस गए अमेरिकी नृत्यांगना शेरोन लोवेन की भी चर्चा कर लेना चाहिए। शेरोन लोवेन मूल रूप से अमेरिकी हैं और वो बीते पचास सालों से भी कुछ अधिक समय से भारत की हो गई हैं। शेरोन लोवेन भारत की चोटी की ओड़िसी की नृत्यांगना हैं। उन्होंने अपना सारा जीवन ओड़िसी नृत्य सीखने और सिखाने में समर्पित कर दिया है। उन्होंने भारत और भारत से बाहर सैकड़ों कार्यक्रमों में अपने चमत्कारी नृत्य से दर्शकों का भरपूर प्यार पाया है। वो जन्म से यहूदी हैं। पर वो बुद्ध और सनातन परंपरा को गहराई से जानती हैं और उसका गहन अध्ययन भी करती हैं। शेरोन लोवेन से अब अमेरिका बहुत दूर छूट चुका है। वह भारतीय हो गई हैं। शेरोन लोवेन 1975 में मिशिगन विश्वविद्यालय से मानविकी, ललित कला, एशियाई अध्ययन और नृत्य में बीए और एमए करने के बाद दिल्ली में मणिपुरी नृत्य को सीखने के लिए भारत आईं थीं। उन्हें यहां गुरु केलुचरण महापात्रा के रूप में पहला गुरु मिला। तो कह सकते हैं कि भारत-अमेरिका संबंधों को सशक्त करने में शेरोन लोवेन जैसी विभूतियों का योगदान भी कोई कम नहीं रहा है।

आंखों के आगे इतिहास!

हरिशंकर व्यास

हां, आंखों देखा इतिहास! ऐतिहासिक मोड़ पर है मौजूदा सिरमौर सभ्यता अमेरिका। वह इस सप्ताह अपने हाथों अपनी सभ्यता का इतिहास बनाएगी। अमेरिकी मतदाता तय करेंगे कि वे अपने सभ्यतागत मूल्यों और सांचे की निरंतरता में कमला हैरिस को जिताते हैं या वैयक्तिक तानाशाही जिद् वाले डोनाल्ड ट्रंप को जिताते हैं। डोनाल्ड ट्रंप का अर्थ अमेरिका में विभाजन, संस्थाओं के पतन की गारंटी है। और जब कोई सभ्यता घर में विभाजित होती है तो उसकी ताकत, एकता, बुद्धि सब धरी रह जाती है। दो खेमों में विभाजित देश फिर धर्म, नस्ल, धन और अहंकार की आपसी लड़ाई का अखाड़ा होता है। ज्योंहि ऐसा हुआ त्योंहि सभ्यता को खत्म करने की ताक में बैठी बर्बर नस्ल और धर्म के लिए मौका खुलता है। आज इस मौके की ताक में चीन है तो पुतिन और इस्लाम भी है। इन तीनों के इरादे आंखों के आगे लाइव उपस्थित हैं। सोचें, जिस अमेरिका ने इस सदी के आरंभ में, 9/11 के बाद आतंकवाद (इस्लाम) के खिलाफ वैश्विक जंग का हुंकारा मारा था, वह भटका हुआ है और उसकी जगह वह इजराइल इस्लाम को ठोक रहा है, जिसके नेता नेतन्याहू बिना इस समझ के क्रूरता दर्शा रहे हैं कि वे बंधकों को छुड़वा रहे हैं, बदला ले रहे हैं, देश को सुरक्षित बना रहे हैं या क्रूसेड है? मेरा मानना है इजराइल का ठोकना इस्लाम को और जिद्दी बनाना है? इसके नतीजे उलटे और उग्र होंगे। उस नाते यहूदियों और ईसाईयों दोनों की नासमझी है जो वे अपने जिद्दी भाई (अब्राहम की संतान, इस्लाम) को अपने मूल धर्म में लौटाने, उनकी घर वापसी की नहीं सोचते, बल्कि ठोक-ठोक कर तीसरे महायुद्ध, सभ्यतागत संघर्ष का पानीपत मैदान बना दे रहे हैं। इस्लाम की लाइव ठुकाई के फोटो इस्लाम को सुलगाने वाले हैं। निश्चित ही अतीत में इस्लाम की क्रूर तलवार और क्रूसेड़ के दृश्य आज के मुकाबले बेइंतहा खौफनाक थे। मगर पहले और दूसरे महायुद्ध के क्रम में यदि तीसरे महायुद्ध का सिनेरियो बन रहा है तो वह इस कारण पूरी पृथ्वी के लिए घातक होना है क्योंकि अब परमाणु हथियारों के जखीरे की वास्तविकता भी है। इसलिए यहूदी बनाम मुसलमान, ईसाई बनाम इस्लाम, इजराइल बनाम ईरान, अमेरिका बनाम चीन, यूक्रेन बनाम रूस, उत्तर कोरिया बनाम दक्षिण कोरिया आदि की हकीकत का कुल सार आमने सामने की सीधी लड़ाई के पाले बनना है। हर पक्ष की जिद् खूंखार होती हुई है। एक तरफ अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता तथा ईसाई और यहूदी हैं तो दूसरी और चीन है। फिर इस्लाम (जो इजराइल की ठुकाई से चीन-रूस से जुड़ता हुआ है) है। चीनी नेता बोलते नहीं हैं। न राष्ट्रपति माओ, देंग शियाओ पिंग भड़भडिया नेता थे और न शी जिनफिंग हैं। ये चीनी नेता अतीत के अपने गौरव हान सभ्यता की वैश्विक पताका में चीन की श्रीवृद्धि के राष्ट्रवादी हैं। इनके लिए याकि मौजूदा चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की ठोस पूंजी (रूसियों की तरह) क्रूर, कठोर, परिश्रमी चाइनीज जनता है। जिसका कभी भी लोकतंत्र, मानवीय मूल्यों, स्वतंत्रता से सरोकार नहीं रहा है। तभी माओ की क्रांति हो या देंग और शी जिनफिंग के वैश्विक कारखाने, अमीरतम बनने का मिशन, सभी में नेतृत्व, पार्टी और जनता ने एकनिष्ठता से काम किया है। उसके लिए असुरी महाशक्ति बनना मुश्किल नहीं था। इसका लक्ष्य अब अमेरिका व पश्चिम सभ्यता की जगह अपने झंडे, अपनी व्यवस्थाओं में दुनिया को चलाना है। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और उनके रणनीतिकारों ने चुपचाप बिसात बिछा दी है। चीन का लक्ष्य अमेरिका की जगह लेना है। एशिया का अधिपति होना है। चीन के लिए भारत, जापान, दक्षिण एशिया, ताइवान, आसियान देशों का जीरो अर्थ है। इसलिए क्योंकि ज्योंहि अमेरिका का पतन हुआ, दुनिया की उसकी चौधराहट छूटी या उसने छोड़ी तो पलक झपकते ये तमाम छोड़े बड़े देश चीन की कॉलोनी होंगे। यों भी दक्षिण या तीसरी दुनिया के ये देश आर्थिक तौर पर चीन से बंधे, उस पर आश्रित हैं। उधर परोक्ष तौर पर चीन ने रूस या पाकिस्तान के मार्फत मध्य एशिया के सभी इस्लामी देशों के अलावा अफगानिस्तान के तालिबान, ईरान और उन सब मुस्लिम देशों का विश्वास जीत लिया है जो इजराइल के हाथों घायल हैं। अपनी इस ग्रैंड योजना, वैश्विक बिसात में चीन किस शातिरता से फैसले करते हुए है इसका प्रमाण ब्रिक्स की हालिया शिखर बैठक थी। राष्ट्रपति शी जिनफिंग और पुतिन ने बैठक में तुर्की के उन राष्ट्रपति एर्दोआन को बुलाया जो उइगर मुसलमानों के उत्पीडऩ के हवाले चीन के खिलाफ बोलते थे। एर्दोआन को शी और पुतिन ने पटा लिया है। वे इनसे वैसे ही संतुष्ट हैं, जैसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भारत में यह हल्ला बनवाते हुए हैं कि कितनी बड़ी कूटनीतिक जीत हुई जो चीन ने लद्दाख में अपनी सेना पीछे की। भारत भी चीन के साथ बहुपक्षीय विश्व बनाने की और बढ़ता हुआ है। अर्थात भारत और चीन भाई भाई तथा अमेरिका, पश्चिमी सभ्यता की दादागिरी के खिलाफ विश्व राजनीति में हिंदू राष्ट्र की भी एक अलग स्वतंत्र ढपली व विश्व व्यवस्था। और हम दक्षिण ब्लॉक, गुटनिरपेक्ष जमाने के देशों और परंपरागत मित्र रूस तथा चीन के हमराही हैं! बहरहाल, लाइव इतिहास फिलहाल अमेरिका बनाम चीन तथा यहूदी बनाम इस्लाम की जोर आजमाइश व परिवर्तनों का है। इसका एक अनहोना फोटो चीन और रूस द्वारा ठेठ यूरोप की सीमा पर बर्बर उत्तर कोरियाई सैनिकों को पहुंचा देना है। कल्पना करें डोनाल्ड ट्रंप जीते और उन्होंने यूक्रेन की मदद रोक कर रूस से समझौते का दबाव बनाया तो पुतिन के हौसले कितने बुलंद होंगे? रूसी-उत्तरी कोरियाई सेना के तब जश्न के फोटो यूरोपीय संघ पर कैसा प्रभाव बनाएंगे? ईरान के हौसले बुलंद होंगे या कम होंगे? हालांकि डोनाल्ड ट्रंप को ईरान विरोधी तथा नेतन्याहू परस्त माना जाता है लेकिन व्यक्तिवादी नेता ने यदि खुमैनी के घर जा कर पकौड़े खाने तथा अपने को अमनपरस्त बनाने की ठानी तो उसके गिरगिटी व्यवहार में रंग तो बदलते ही रहेंगे। असल बात डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति बनने से विभाजित अमेरिका, विभाजित पश्चिमी बिरादरी की है। इसके सिनेरियो में चीन के लिए स्वर्णिम मौका बनेगा। वह अमेरिका को रिप्लेस कर अपने को नई विश्व व्यवस्था, नई मौद्रिक वित्तीय व्यवस्था का संचालक बनने की और बढ़ेगा। पृथ्वी की धुरी होने के हान सभ्यता के इलहाम को वास्तविकता के पंख लगेंगे। आर्थिक-सैनिक-राजनीतिक ताकत में सिरमौर होने का मौका खुलेगा। सो, आंखों के आगे तीसरे महायुद्ध व सभ्यताओं के संघर्ष की अग्रिम झांकी है वही पृथ्वी के इतिहास का मोड़ भी है। इस सप्ताह स्पेन के वेलेंसिया में आठ घंटे की बारिश का वीडियो दहला देने वाला था। जलवायु परिवर्तन और विनाश की और बढ़ती पृथ्वी की सेहत की वह झांकी थी।

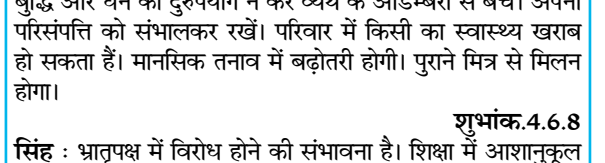

मेष : परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा।

शुभांक.3.5.7

वृष : जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आय-व्यय समान रहेगा। कामकाज में आ रही बाधा दूर होगी। बाहरी और अंदरूनी सहयोग मिलता चला जाएगा। सुख-आनंद कारक समय है। अपने काम पर ध्यान दीजिए। अंधविश्वासी न बनें।

शुभांक.5.7.9

मिथुन : लेन-देन में आ रही बाधा को दूर करने के प्रयास सफल होंगे। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी।

शुभांक.6.7.9

कर्क : किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। बुद्धि और धन का दुरुपयोग न करें व्यर्थ के आडम्बरों से बचें। अपनी परिसंपत्ति को संभालकर रखें। परिवार में किसी का स्वास्थ्य खराब हो सकता हैं। मानसिक तनाव में बढ़ोतरी होगी। पुराने मित्र से मिलन होगा।

शुभांक.4.6.8

सिंह : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। कार्यसिद्धि में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। ज्ञानार्जन का वातावरण बनेगा। यात्रा का योग।

शुभांक.6.8.9

कन्या : शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में कोई मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन.देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति रहेगी। लेन.देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे।

शुभांक.5.7.9

तुला : लाभ में आशातीत वृद्धि तय हैं मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। किसी पुराने संकल्प को पुरा कर लेने का दिन हैं। आगे-आगे गौरख जागे वाली कहावत चरितार्थ होगी। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा।

शुभांक.5.7.9

वृश्चिक : कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ भी होगा और पुराने मित्रों का समागम भी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। शुभांक.3.6.8

धनु : कुछ पिछले संकट अब सिर उठा सकते हैं। निकट जनों के लिए अर्थव्यवस्था हेतु जोड़-तोड़ करना पड़ेगा। अपने संघर्ष में स्वयं को अकेला महसूस करेंगे। विशेष परिश्रम से ही अभिष्ट कार्य सिद्ध होंगे। नौकरी में अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा।

शुभांक.2.3.5

मकर : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा।

शुभांक.2.5.7

कुंभ: विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शुभ कार्यों में अड़चनें और परिवार के बुजुर्ग जनों से मतभेद रहेगा। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। जमीन जायदाद का लाभ भी हो सकता है। आवास, मकान तथा वाहन की सुविधाएं मिलेंगी।

शुभांक.3.5.8

मीन : कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाएं। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी।

शुभांक.3.5.7

शब्द पहेली - 8302

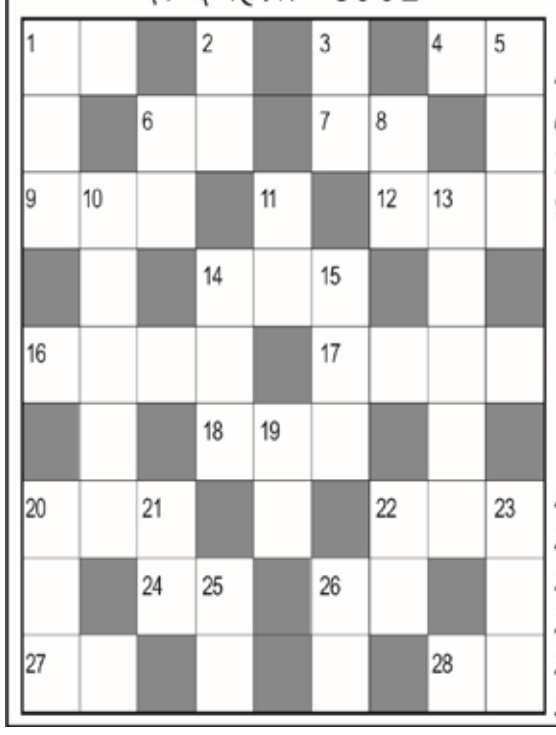

बाएँ से दाएँ

1. ध्वज,पताका-2
4. वहम,संदेह-2
6. दलहन-2
7. खाली,रिक्त-2
9. रसूल,अल्लाह-3
12. अभिनेत्री मुनमुन सेन की पुत्री का सिर्फ नाम-3
14. सिवाय,बगैर-3
16. इराक की राजधानी-4
17. समधी की पत्नी-4
18. पीसना,महीन करना-3
20. उष्ण,गर्म-3
22. उत्तम,विष्णु अवतार-3
24. परत,तह-2
26. खेती-2
27. अधर,होठ-2
28. ताऊ की पत्नी,बड़ी मां-2

ऊपर से नीचे

1. जल प्रपात-3
2. आईल-2
3. हूर,अप्सरा-2
5. सूक्ति,वाणी,शबद-3
6. पिता के पिता-2
8. स्टार,सितारा-2
10. रोचक,सुंदर,मनोहारी-5
11. शीतलता,मुठभेड़-2
13. सतरंगा,शंकर धनुष-5
14. सिर्फ एक,एकमात्र-3
15. हवस,कामेच्छा-3
19. लाख-2
20. जहर,विष-3
21. आनंदित,मनमौजी-2
22. मुनि,साधू-2
23. अच्छाई,सदशयता-3
25. सुरक्षा-2
26. कीड़ा,कीट-2

शब्द पहेली -8301 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसार:-9931408109 ईमेल:-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

साहा ने रणजी ट्रॉफी सत्र के बाद खेल से संन्यास लेने की घोषणा की

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज रिद्धिमान साहा इस साल 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन के बाद क्रिकेट को अलविदा कह देंगें। इसके साथ ही साहा का 17 साल लंबा करियर भी समाप्त हो जाएगा। साहा अभी यहां कर्नाटक के खिलाफ बंगाल के चौथी दौर के मैच की तैयारी कर रहे हैं। साहा ने अपने खेल से संन्यास लेने की बात सोशल मीडिया के जरिये प्रशंसकों को दी। उन्होंने लिखा, क्रिकेट में एक यादगार सफर के बाद, यह मेरा अंतिम सत्र होगा। बंगाल की ओर से रणजी ट्रॉफी में खेलते हुए संन्यास लेना मेरे लिए सम्मान की बात रहेगी। इसलिए इस सत्र को विशेष बनाना चाहता हूं। साहा साल 2022-23 में बंगाल टीम के से विवाद के बाद अलग हो गये थे।

तब बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के सचिव देबब्रत दास ने आरोप लगाया था कि साहा नहीं खेलने के लिए फिटनेस का बहाना बना रहे हैं। वहीं इस सीजन में साहा ने टीम में वापसी करते हुए रणजी ट्रॉफी के पहले दो मैचों में खेला है। साहा ने भारतीय टीम कील ओर से 40 टेस्ट खेलकर तीन शतक और छह अर्धशतक के साथ ही कुल 1353 रन बनाए हैं। साह का भारतीय टीम के साथ सफर लंबा रहा पर वह टेस्ट तक ही सीमित रहे। आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के आने से उन्हें सीमित ओवरों में अवसर नहीं मिला। बाद में उन्हें टेस्ट में भी दूसरे विकेटकीपर के रूप में रखा जाने लगा। साहा ने तीन साल पहले दिसंबर 2021 में अंतिम बार भारतीय टीम के लिए खेला था और साल 2023 में उन्हें केन्द्रीय अनुबुंध से बाहर कर दिया गया था। इस बार उन्हें आईपीएल फ्रैंचाइजी गुजरात टाइटंस ने भी रिलीज कर दिया है जबकि साहा ने साल 2008 से हर आईपीएल सत्र खेला है। उन्होंने इससे पहले सनराइजर्स हैदराबाद, चेन्नई सुपर किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और पंजाब किंग्स की ओर से खेला है।

गंभीर पर उठ रहे सवाल , ऑस्ट्रेलिया दौरे में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा तो बढ़ेंगी मुश्किलें

मुम्बई। भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में करारी हार से टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर पर भी सवाल उठने लगे हैं। गंभीर को अभी तीन माह पहले ही कोच बनाया गया था। उसके बाद से ही भारतीय टीम का प्रदर्शन कुछ विशेष नहीं रहा है। गंभीर को टीम चयन मामलों में भी पूरे अधिकार दिये गये थे उसके बाद भी वह परिणाम नहीं दे पाये हैं। अब गंभीर की ऑस्ट्रेलिया दौरे में कड़ी परीक्षा होगी। वहीं अगर ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहता तो गंभीर की मुश्किलें बढ़ जाएंगी। गंभीर के कोच बनने के बाद भारतीय टीम 27 साल में पहली बार श्रीलंका से एकदिवसीय सीरीज हारी। इसके बाद अब उसे न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का शिकार होना पड़ा है। इससे पहले भारतीय

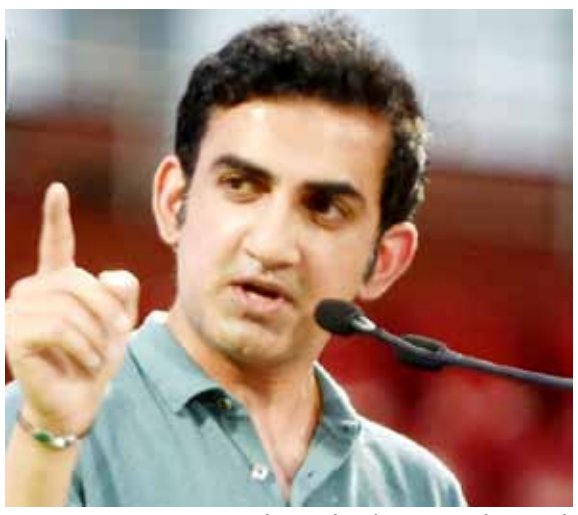

टीम कभी भी तीन या उससे अधिक मैचों की सीरीज में नहीं हारी है। हालांकि उनके बचाव में कहा जा रहा है कि टीम के साथ कोच केवल योजना ही बना सकता है पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजों की कमजोरी जानने के बाद भी मुंबई में पूरी तरह से स्पिनरों की सहायक पिच बनाने पर भी सवाल उठे हैं। मुंबई में न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के दूसरे दिन तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नाइटवाचमैन के रूप में भेजने और पहली पारी में सरफराज खान को आठवें नंबर पर भेजने पर भी सवाल उठ रहे हैं। बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा, 'गंभीर को ऐसा अधिकार दिया गया है जो इससे पहले कोच रहे रवि शास्त्री और राहुल द्रविड़ को नहीं मिला था। बीसीसीआई के नियम कोच को चयन समिति की बैठकों का हिस्सा बनने की अनुमति नहीं देते हैं पर ऑस्ट्रेलिया दौरे की चयन बैठक के लिए गंभीर को अपने सुझाव देने का अवसर दिया गया। ' बोर्ड के इस अधिकारी ने कहा, 'दौरे के महत्व को देखते हुए मुख्य कोच को इसमें भाग लेने की अनुमति दी गई थी।' दिल्ली और केकेआर के तेज गेंदबाज हर्षित राणा और आंध्र और एसआरएच के ऑलराउंडर नीतीश रेड्डी को मुख्य कोच की मांग पर बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के लिए शामिल किया गया है।

एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं श्रेयस

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में एक ओवर में सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ियों में चार भारतीय भी हैं। इसमें नंबर एक पर हैं श्रेयस अय्यर। आजकल भारतीय टीम से बाहर चल हरे श्रेयस ने एक ओवर में 31 रन बनाए हैं। श्रेयस ने साल 2019 में वेस्टइंडीज के खिलाफ ये रिकॉर्ड बनाया था। श्रेयस ने विशाखापत्तनम एकदिवसीय में वेस्टइंडीज के गेंदबाज रोस्टन चेज के एक ही ओवर में 31 रन बना दिये थे।इस दौरान श्रेयस ने 4 छक्के और एक चौका लगाया था। श्रेयस ने तब 32 गेंदों पर 53 रन बनाये थे। वहीं महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर दूसरे नंबर है हैं। सचिन ने 1999 में हैदराबाद में हुए एकदिवसीय में न्यूजीलैंड के खिलाफ एक ओवर में ही 28 रन बटोर थे। सचिन ने तब क्रिस ड्रम के एक ओवर में ही चौकों और छक्कों के साथ 150 गेंदों पर 186 रन बनाये थे। तीसरे नंबर पर तेज गेंदबाज जहीर खान का नाम है। जहीर ने साल 2000 में जिम्बाब्वे के खिलाफ बल्लेबाजी करते हुए जोधपुर एकदिवसीय में एक ओवर में 27 रन बना दिये। जहीर ने रन तेज गेंदबाज हेनरी ओलंगा के ओवर में बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 छक्के लगाये थे। इसके अलावा चौथे नंबर

पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने साल 2005 में श्रीलंका के खिलाफ एक ओवर में 26 रन बटोरे थे जिसमें 5 चौके और एक छक्का लगा था। सहवाग ने ये रन श्रीलंका के गेंदबाज दिलहारा लोकुहेटिज की गेंदों पर बनाए थे।

शमी मध्यप्रदेश के खिलाफ होने वाले रणजी मुकाबले से वापसी करेंगे

नई दिल्ली। भारतीय टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी अब रणजी ट्रॉफी के जरिये अपनी फिटनेस साबित करने उतरेंगे। शमी टखने की सर्जरी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में अब वह घरेलू क्रिकेट से अपनी फिटनेस हासिल करना चाहते हैं। शमी के मध्य प्रदेश के खिलाफ 13 नवंबर से इंदौर में होने वाले मुकाबले में अपनी घरेलू टीम बंगाल की ओर से खेलने की संभावनाएं हैं। शमी हालांकि कर्नाटक के खिलाफ मुकाबले में नहीं खेलेंगे।शमी प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में आराम से वापसी करना चाहते हैं जिससे चोटिल होने का खतरा न रहे। शमी ने हाल में द एम चिन्नास्वामी स्टेडियम के नेट्स में शुभमन गिल को गेंदबाजी भी की थी। इसके बाद शमी ने एक कार्यक्रम में कहा कि वह अब उन्हें दर्द नहीं

है, इसलिए वह कुछ घरेलू मैच खेलेंगे। अब देखना होगा कि शमी 14 दिसंबर से ब्रिस्बेन में शुरू होने वाले बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तीसरे टेस्ट के लिए फिट हो पाते हैं या नहीं। शमी ने अंतिम बार एकदिवसीय विश्वकप 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल खेला था। उसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा : विराट

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ने माना है कि वह आजकल बेहतर प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं। विराट ने ये भी कहा कि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में टीम को जीत दिलाने के लिए उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। भारतीय टीम को इसी माह बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया जाना है। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज 22 नवंबर को पर्थ में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगी। भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपनी पिछली 4 सीरीज लगातार जीती हैं, जिसमें 2018-19 और 2020-21 सीज़न में ऑस्ट्रेलिया में 2 जीत शामिल हैं।

भारत अब तक 10 बार ये सीरीज जीती है जबकि ऑस्ट्रेलिया ने 5 बार इसे जीता है। उनकी आखिरी सीरीज जीत 2014-15 सीजन के दौरान आई थी। भारत में उनकी आखिरी सीरीज जीत 2004-05 में आई थी। विराट ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को हराने के लिए मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना होगा। मुझे लगता है कि मैं उस मानसिकता को ठीक से समझ सकता हूं कि कंगारू इतने प्रतिस्पर्धी हैं कि सभी 11 खिलाड़ी जुनूनी हैं। वे जानते हैं कि क्या करना है और कब करना है। यह

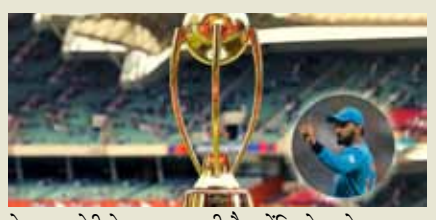

देखकर, मेरी प्रेरणा बढ़ जाती है क्योंकि वे इतने जागरूक हैं और बेहद कुशलता से खेलते हैं।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का कार्यक्रम इस प्रकार है।

22 से 26 नवंबर 2024 : पहला टेस्ट, पर्थ स्टेडियम, पर्थ

06 से 10 दिसम्बर 2024 : दूसरा टेस्ट (दिन-रात), एडिलेड ओवल

14 से 18 दिसम्बर 2024 : तीसरा टेस्ट, गाबा, ब्रिस्बेन

26 से 30 दिसम्बर 2024 : चौथा टेस्ट, एमसीजी, मेलबर्न

03 से 07 जनवरी 2025 : 5वां टेस्ट, एससीजी, सिडनी

व्यापार

शेयर बाजार की गिरावट के साथ शुरुआत

सेंसेक्स 150 अंक गिकर 79,570, निफ्टी 50 24,200 पर

मुंबई। वैश्विक बाजार से मिले मिश्रित रुझानों के बीच सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई। बेंचमार्क इंडेक्स, सेंसेक्स और निफ्टी 50 में सोमवार को शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट आई। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 150 अंक की गिरावट के साथ 79,573 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 100 अंक की गिरावट के साथ 24,204 पर कारोबार कर रहा था। वहीं पिछले कारोबारी सत्र शुक्रवार को जब देश भर ने दीवाली मनाई गई तब शेयर बाजारों ने शाम को एक घंटे के लिए मुहूर्त ट्रेडिंग सत्र आयोजित किया। मुहूर्त ट्रेडिंग में बीएसई सेंसेक्स 335.06 अंक बढ़कर 79,724.12 पर बंद हुआ और निफ्टी 50 94.20 अंक बढ़त लेकर 24,299.55 पर बंद हुआ। वहीं एबीबी इंडिया, अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी, बाटा इंडिया, सन फार्मा एडवांस्ड रिसर्च कंपनी, एक्साइड इंडस्ट्रीज, केईसी इंटरनेशनल, ग्लैंड फार्मा, इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन, इंडियन रेलवे फाइनेंस कॉर्पोरेशन, हैटसन एग्रो प्रोडक्ट, जेके पेपर, साई सिल्क्स (कलामंदिर), प्रॉक्टर एंड गैंबल हेल्थ, रेमंड, शंकरा बिल्डिंग प्रोडक्ट्स, तिलकनगर इंडस्ट्रीज, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ

इंडिया और वीएसटी टिलर्स ट्रैक्टर्स 4 नवंबर को अपनी सितंबर तिमाही की आय की घोषणा करेंगे। वहीं चुनाव से पहले शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट उच्च स्तर पर बंद हुआ। डॉव जोंस 0.69 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ, एसएंडपी 500 में 0.41 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई, जबकि नैस्डैक कंपोजिट 0.80 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुआ। एशियाई बाजार आज मिश्रित रुख में ट्रेड कर रहे हैं। ताजा जानकारी के अनुसार चीन के मुख्य सीएसआई 300 और शंघाई इंडेक्स नकारात्मक झुकाव के साथ लगभग स्थिर हैं। जापानी बाजार 'कल्चर डे' के अवसर पर बंद हैं।

भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा: आईएमएफ

अमेरिका बना सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की रिपोर्ट के अनुसार, साल 2025 में भारत दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था होगा। वहीं रिपोर्ट के अनुसार, संयुक्त राज्य अमेरिका ने एक बार फिर से दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था का पहला स्थान बरकरार रखा है और वर्ष 2025 में यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था होने का अनुमान है। अमेरिका का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) अनुमानित 29,840 बिलियन डॉलर तक पहुँच जाएगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि 2025 में चीन, अमेरिका से ठीक पीछे होगा, जिसका अनुमानित जीडीपी 19,790 बिलियन डॉलर रहने का अनुमान है। पश्चिमी देशों के आर्थिक प्रतिबंधों और विभिन्न आर्थिक झटकों के बावजूद चीन ने इस उच्च स्तर को बनाए रखा है। वहीं, जर्मनी की अर्थव्यवस्था कुछ कठिनाइयों से जूझने के बावजूद 4,591 बिलियन डॉलर के अनुमान के साथ तीसरे स्थान पर रहेगी। यह संकेत देता है कि वैश्विक आर्थिक

परिदृश्य में स्थिरता बनाए रखने में जर्मनी ने उल्लेखनीय काम किया है। आईएमएफ की रिपोर्ट के अनुसार, यूनाइटेड किंगडम 3,685 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ छठे स्थान पर बना रहेगा, जबकि फ्रांस 3,223 बिलियन डॉलर के साथ सातवें स्थान पर रहेगा। ब्राज़ील और इटली के बीच भी मामूली अंतर है, जिसके चलते ब्राज़ील आठवें स्थान पर और इटली नौवें स्थान पर आ जाएगा। ब्राजील के जीडीपी का अनुमान 2,438 बिलियन डॉलर और इटली का अनुमान 2,390 बिलियन डॉलर है। कनाडा 2,361 बिलियन डॉलर की जीडीपी के साथ दसवें स्थान पर रहेगा। भारत की जीडीपी अगले साल उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंचेगी रिपोर्ट के अनुसार, भारत वर्ष 2025 में जापान को पीछे छोड़ते हुए दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। अनुमान के मुताबिक, भारत का सकल घरेलू उत्पाद 4,340 बिलियन डॉलर पहुंच सकता है। भारत ने तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ यूनाइटेड किंगडम को पीछे छोड़कर पांचवें स्थान से चौथे स्थान पर छलांग लगाई है। यह भारत के लिए एक बड़ी उपलब्धि है और सरकार द्वारा आर्थिक सुधारों और विभिन्न योजनाओं के परिणामस्वरूप आई है। जापान जो आर्थिक मंदी का सामना कर रहा है, 4,310 बिलियन डॉलर के अनुमानित जीडीपी के साथ पांचवें स्थान पर होगा। भारत का भविष्य उज्जवल आईएमएफ की रिपोर्ट बताती है कि आर्थिक अस्थिरता और वैश्विक बदलावों के बीच कई देशों ने अपनी स्थिति को बनाए रखने और सुधारने में सफलता प्राप्त की है। विशेष रूप से भारत की आर्थिक प्रगति से यह संकेत मिलता है कि यह देश निकट भविष्य में और भी ऊंचाइयों पर पहुंच सकता है। जबकि अमेरिका, चीन और जर्मनी जैसी अर्थव्यवस्थाएं अब भी स्थिरता बनाए हुए हैं।

सोने-चांदी की चमक पड़ी फीकी

सोना 78,450 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी लगभग 94,650 रुपए के करीब

नई दिल्ली। इस सप्ताह के पहले दिन सोमवार को सोने-चांदी के वायदा भाव में नरमी देखने को मिल रही है। सोमवार को दोनों के वायदा भाव गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 78,450 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 94,650 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी की वायदा कीमतों में सुस्त शुरुआत के बाद तेजी देखने को मिल रही है। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 379 रुपये की गिरावट के साथ 78,450 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 395 रुपये की गिरावट के साथ 78,434 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 78,499 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 78,226 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। सोने के वायदा भाव ने इस साल 79,775 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रेक्ट 692 रुपये की गिरावट के साथ 94,791 रुपये पर खुला। इस समय यह 833 रुपये की गिरावट के साथ 94,650 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस

समय इसने 94,791 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 94,554 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। इस साल चांदी के वायदा भाव ने 1,00,081 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। वैश्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में इनकी कीमतों में तेजी देखी जाने लगी। कॉमेक्स पर सोना 2,743.50 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,749.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.60 डॉलर की तेजी के साथ 2,750.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 32.57 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 32.68 डॉलर था। इस समय यह 0.09 डॉलर की तेजी के साथ 32.78 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया एक पैसे बढ़कर 84.06 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी पूंजी की सतत निकासी तथा घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में महज एक पैसे की बढ़त के साथ 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मजबूत डॉलर स्थानीय इकाई पर दबाव बना रहा है जिससे दिन में रुपया के सीमित दायरे में कारोबार करने का अनुमान है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी स्थानीय इकाई को प्रभावित किया जबकि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा किसी भी हस्तक्षेप से स्थानीय मुद्रा को निचले स्तर पर समर्थन मिल सकता है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.07 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद यह 84.06 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से एक पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया गुरुवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.07 पर बंद हुआ था।

त्योहारों पर कार बिक्री का बना नया रिकॉर्ड

- पहली बार एक माह में बिकी 5 लाख से अधिक कारें
- अक्टूबर में हर दिन बिकी 16,550 कारें

नई दिल्ली। त्योहारी माह में देश में कारों की बिक्री का नया रिकॉर्ड बना है। अक्टूबर 2024 में कारों की खुदरा बिक्री पहली बार 5 लाख का आंकड़ा पार कर गई है। वाहन डेटा के अनुसार, 31 अक्टूबर तक कुल 5.13 लाख कारों का रजिस्ट्रेशन हुआ है, यानी हर दिन औसतन 16,550 कारें बिकीं। इससे पहले जनवरी 2024 में 3.99 लाख कारों का रजिस्ट्रेशन हुआ था, जो एक रिकॉर्ड था। मौजूदा वित्तीय वर्ष में हर महीने औसतन 3.33 लाख गाड़ियां बिकीं हैं, जो पिछले साल की तुलना में 5 फीसदी ज्यादा है। पिछले वर्ष कुल 38 लाख कारें बिकी थीं। पहली बार इलेक्ट्रिक कारों की बिक्री भी 10 हजार के आंकड़े को पार कर गई, जो सालाना आधार पर 38 फीसदी की वृद्धि है। वाहनों के होलसेल डेटा से यह भी पता चलता है कि खरीदारों का रुझान अब एसयूवी और प्रीमियम कारों की ओर अधिक है। कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी ने पहली बार किसी महीने में दो लाख से ज्यादा कारों की बिक्री की। कंपनी की कुल बिक्री 4 फीसदी बढ़कर 2,06,434 यूनिट्स पर पहुंच गई, जिसमें से 33,168 कारें एक्सपोर्ट की

गईं। मारुति की एसयूवी सेगमेंट की बिक्री में 20 फीसदी की वृद्धि हुई है, जबकि छोटी कारों की बिक्री में 20 फीसदी की गिरावट देखने को मिली। कंपनी ने देश में सबसे ज्यादा 1,59,591 कारों की बिक्री की, हालांकि डोमेस्टिक होलसेल में कुल मिलाकर 5 फीसदी की गिरावट रही। इस तरह के आंकड़े भारतीय ऑटोमोबाइल उद्योग में स्थिरता और वृद्धि का संकेत देते हैं। कारों की बढ़ती मांग, विशेष रूप से एसयूवी और इलेक्ट्रिक वाहनों में, यह दर्शाती है कि उपभोक्ता अब ज्यादा सुविधा और प्रीमियम अनुभव की ओर रुख कर रहे हैं।

भूल भुलैया 3 की एक्ट्रेस का दर्द:सीरियल से निकाल दिया गया था

रोज सरदाना बोलीं- तंग आकार टीवी छोड़ दी

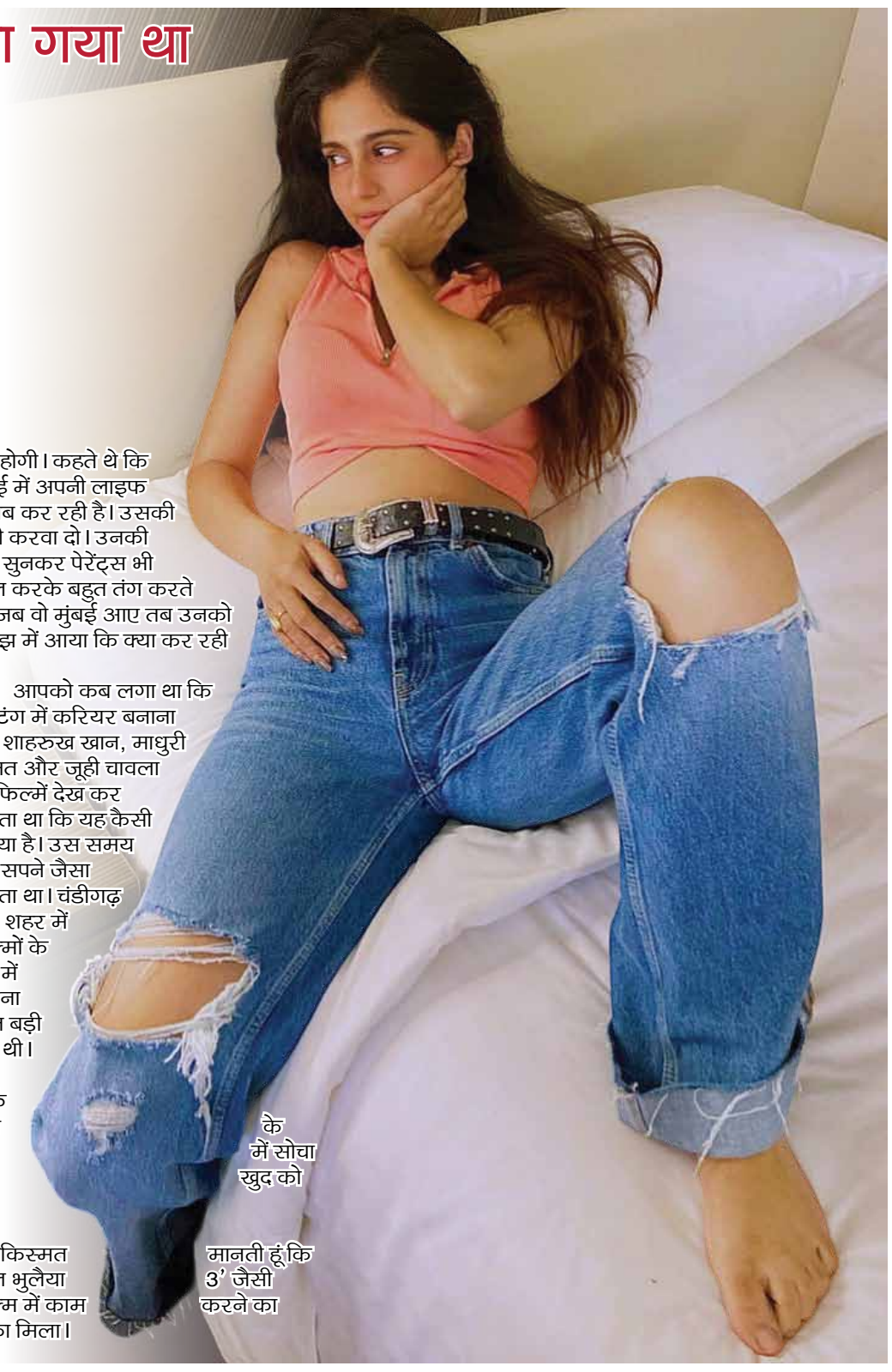

एक्ट्रेस रोज सरदाना ने टेलीविजन से करियर की शुरुआत की, लेकिन उन्हें सक्सेस नहीं मिली। तंग आकार एक्ट्रेस ने टीवी छोड़, फिल्मों के लिए कोशिश शुरू की। 'दृश्यम 2' और 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी रोज सरदाना की फिल्म 'भूल भुलैया 3' रिलीज हुई है। पिछले दिनों एक्ट्रेस ने दैनिक भास्कर से बातचीत की। पेश है कुछ खास अंश...

• करियर की शुरुआत से लेकर 'भूल भुलैया 3' तक का सफर कैसा रहा ?- अब तक बहुत ही अनुभव भरा सफर रहा है। मुंबई जैसे शहर में बहुत ही उतार-चढ़ाव रहे हैं। मैंने फिल्मों के बारे में कभी नहीं सोचा था। मुझे लगता था कि फिल्मों की दुनिया बहुत ही अलग है। इसलिए मैं टेलीविजन में ही करियर बनाना चाह रही है, लेकिन टेलीविजन में कभी सफल नहीं रही। मुझे या तो शो से निकाल दिया जाता था, या फिर रिप्लेस कर दिया जाता था।

• टेलीविजन पर पहला मौका कब मिला, कैसे अनुभव रहें?- मुंबई आने के दो महीने के बाद ही मुझे बालाजी टेलीफिल्म्स के शो 'मेरी आशिकी तुमसे ही' में मौका मिला। मैं बहुत खुश थी, लेकिन मुझे यह नहीं पता था कि शूटिंग कैसे होती है? पहला शॉट देते वक्त बहुत नर्वस थी। उस शो को अनिल सर (अनिल वी कुमार) डायरेक्ट कर रहे थे। वो इतना डांटने लगे कि मैं रोने लगी थी। दो महीने के बाद मुझे शो से निकाल दिया गया।

• जब आपको शो से निकाल दिया गया तो खुद को कैसे संभाला?- उस समय मुझे बिल्कुल भी बुरा नहीं लगा था। मैं ठीक से परफॉर्म नहीं कर पा रही थी। कोई भी प्रोडक्शन हाउस अपना नुकसान क्यों चाहेगा? उसके बाद भी टेलीविजन की मेरी जर्नी बहुत ही दुख भरी रही है। मैंने जितने शो किए, उनमें से मुझे निकाल दिया गया या फिर रिप्लेस कर दिया गया। कई शो तो बंद हो गए। टीवी में जहां भी कोशिश करती थी, मेरे साथ ऐसा होता था। मैंने सब टीवी के लिए एक शो 'हम आपके घर में रहते हैं' किया था। इसमें मेरी लीड भूमिका थी। मुझे लगा कि अब तो लाइफ सेट है। चार महीने के बाद प्रोडक्शन से फोन आया कि आपको रिप्लेस किया जा रहा है। चैनल आपके काम से खुश नहीं है।

• उसके बाद क्या किया आपने?- तंग आकार मैंने डिसाइड किया कि अब टीवी नहीं करना है। मैंने ओटीटी और फिल्मों के लिए कोशिश करनी शुरू कर दी। वहां से मुझे रिस्पॉन्स मिलने लगा। मुझे 'दृश्यम 2' में काम करने का मौका मिला। इसमें छोटा सा ही किरदार था, लेकिन उस किरदार को लोगों ने नोटिस किया। इसके बाद मैंने लव रंजन की फिल्म 'वाइल्ड वाइल्ड पंजाब में काम किया। सबसे अच्छी बात यह थी कि इस फिल्म की शूटिंग मेरे होम टाउन चंडीगढ़ में हुई थी। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इसके बाद मुझे 'भूल भुलैया 3' में मौका मिला।

• 'भूल भुलैया 3' में कैसे मौका मिला?- यह फिल्म मुझे ऑडिशन से मिली थी। इस फिल्म की शूटिंग के दौरान मेरे लिए सबसे यादगार क्षण माधुरी मैम (माधुरी दीक्षित) से मिलना था। मैंने सपने में भी नहीं सोचा था कि माधुरी मैम के साथ परफॉर्म करूंगी। इस फिल्म मैंने तृप्ति डिमरी की बहन का किरदार निभाया है। जब यह फिल्म कर रही थी तो इसके बारे में किसी को भी नहीं बताया था। इतना रिजेक्शन झेल चुकी थी कि मुझे डर लग रहा था कि पता नहीं क्या होगा? मेरे पेरेंट्स को रिजेक्शन सुनने की आदत लग गई थी। वो यही सोचते थे कि पता नहीं इसका क्या होगा?

• जब आपने शुरू में पेरेंट्स को एक्टिंग प्रोफेशन के बारे में बताया होगा तब उनकी क्या प्रतिक्रिया थी?- मम्मी को जब बताया तो उनको लगा कि पागल हो गई हूं। पापा बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। मैं बेंगलुरु में जॉब कर रही थीं। पापा चाह रहे थे कि जॉब ही करूं। मैं जॉब से खुश नहीं थी। सात महीने के दौरान ही पूरी तरह से डिप्रेशन में चली गई थी। उन दिनों मेरा छोटा भाई मुंबई में रहता था। उससे मिलने के बहाने मुंबई आ गई थी। उस समय भईया नहीं होते तो मेरे लिए मुश्किल हो जाता।

• मुंबई में किस तरह से सरवाइव किया आपने ?- पिछले दस साल से कॉन्सर्ट में एंकरिंग कर रही हूं। इससे मुझे आर्थिक रूप से बहुत हेल्प मिली। पेरेंट्स भी इस वजह से शांत रहते थे कि कुछ तो कमा रही है। वर्ना उनको बहुत चिंता रहती थी कि मुंबई में क्या कर रही होगी? रिश्तेदारों की बातें भी बहुत चुभती थीं। एक बार पेरेंट्स को मुंबई बुलाया। तब एक छोटे से कमरे में रहती थी। उनको इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ा कि छोटे से कमरे में रहती हूं। वो मुंबई का माहौल देखकर बहुत खुश थे। मुंबई ऐसा शहर हैं, जहां पर लड़कियां रात के दो बजे भी बिना डरे घूम सकती हैं।

• आपके पेरेंट्स से रिश्तेदार क्या कहते थे?- रिश्तेदार फोन करके पेरेंट्स को बहुत परेशान करते थे। पूछते थे कि कल टीवी पर देखा था आज नहीं देखा। मुंबई में क्या कर रही होगी। कहते थे कि मुंबई में अपनी लाइफ खराब कर रही है। उसकी शादी करवा दो। उनकी बातें सुनकर पेरेंट्स भी कॉल करके बहुत तंग करते थे। जब वो मुंबई आए तब उनको समझ में आया कि क्या कर रही हूं।

• आपको कब लगा था कि एक्टिंग में करियर बनाना है?- शाहरुख खान, माधुरी दीक्षित और जूही चावला की फिल्में देख कर लगता था कि यह कैसी दुनिया है। उस समय सब सपने जैसा लगता था। चंडीगढ़ जैसे शहर में फिल्मों के बारे में सोचना बहुत बड़ी बात थी। मैंने सिर्फ टीवी के बारे में सोचा था। खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि 'भूल भुलैया 3' जैसी फिल्म में काम करने का मौका मिला।

दीपिका का लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है प्रभाव

बालीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने सिंघम अगेन में शक्ति शेट्टी के किरदार में खुद को साबित किया है। इस फिल्म में उनका प्रभाव लेडी सिंघम के रूप में जोरदार रहा है। एक्ट्रेस के किरदार के इंट्रोडक्शन ने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है, कई लोगों ने स्क्रीन पर उनके मजबूत प्रेजेंस और पॉवरफुल परफॉर्मेंस की खूब तारीफ की है। दीपिका अपनी वर्सेटिलिटी के लिए जानी जाती हैं, और उन्होंने शेट्टी के कॉप यूनिवर्स की इंटेंस दुनिया में बिना किसी दिक्कत के कदम रखा है। बता दें कि उन्होंने फ्रेंचाइजी में नई एनर्जी और एक मजबूत महिला किरदार शक्ति शेट्टी को इंट्रोड्यूस किया है। उनका आउटस्टैंडिंग एंट्री सीन अब हॉट टॉपिक बन गया है, जिसे देखते हुए फैंस उनकी डेरिंग परफॉर्मेंस और दूसरे किरदारों के साथ मजबूत केमिस्ट्री की खूब तारीफ कर रहे हैं। खासतौर पर अजय देवगन के फेमस किरदार बाजीराव सिंघम के साथ। बहुत ही पॉजिटिव रिस्पॉन्स के बाद फैंस लेडी सिंघम शक्ति शेट्टी को मेन किरदार के रूप में एक स्टैंडअलोन फिल्म बनाने की मांग कर रहे हैं। इतना ही नहीं, उन्होंने सोशल मीडिया पर रोहित शेट्टी को टैग करके लेडी सिंघम की कहानी को और आगे बढ़ाने की रिक्वेस्ट तक की है। ये देखना कमाल है कि चेन्नई एक्सप्रेस के बाद जहां रोहित शेट्टी और दीपिका पादुकोण ने मीनम्मा को इंट्रोड्यूस किया था और वह एक यादगार किरदार बन गई। ऐसे में अब शक्ति शेट्टी के जरिए फिर से एक्टर और डायरेक्टर की इस जोड़ी ने एक और सक्सेसफुल प्रोडक्ट देकर सबको इंप्रेस कर दिया है। नेटिजन्स के प्यार के साथ-साथ क्रिटिक्स भी दीपिका पादुकोण की तारीफ कर रहे हैं।

नोरा फतेही ने इट्स टू के साथ जोड़ा विभिन्न संस्कृतियों का समागम

बहुभाषी प्रतिभा के लिए मशहूर नोरा फतेही ने अपने लेटेस्ट सिंगल इट्स टू के साथ एक बार फिर से विभिन्न संस्कृतियों को एकत्रित किया है। यह गाना हिंदी लिरिक्स के साथ उनका दूसरा इंटरनेशनल रिलीज़ है। फीफा वर्ल्ड कप एंथम में अपने दमदार प्रदर्शन के बाद, नोरा का यह नया ट्रैक अफ्रीकी और भारतीय धुनों का समावेश करता है, जो पहले से ही वैश्विक दर्शकों को आकर्षित कर रहा है। नोरा फतेही का कहना है, इस गाने में हिंदी लिरिक्स होने ही चाहिए क्योंकि मैं बॉलीवुड से आती हूँ। मैं ग्लोबल स्टेज पर भारत और हिंदी का प्रतिनिधित्व करने के किसी भी अवसर का लाभ उठाती हूँ। यह मेरे लिए उस देश और भाषा को वापस देने का एक सम्मान है, जिसने मुझे इतना कुछ दिया है। मैं हमेशा इसके प्रतिनिधित्व के लिए तत्पर रहूँगी। उनकी संगीत यात्रा केवल इट्स टू तक सीमित नहीं है। नोरा अब अमेरिकी गायक जेसन डेरुलो के साथ एक नए गाने और म्यूजिक वीडियो में भी नजर आएंगी, जो नवंबर में रिलीज़ होने की उम्मीद है। इसके अलावा, नोरा ने हाल ही में पेरिस फैशन वीक के दौरान लुई वुइटन शो में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने न्यूयॉर्क में ऑल दैट ग्लिटर्स दिवाली बॉल में भी दर्शकों को चौंका दिया, जहाँ उन्होंने इस साल बॉल की को-होस्टिंग की और अपने परफॉर्मेंस से सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। आने वाले समय में, नोरा अपनी को-स्टार वरुण तेज के साथ फिल्म मटका में नजर आने वाली हैं, जो 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी। नोरा फतेही का यह नया सिंगल और उनके अन्य प्रोजेक्ट्स यह दर्शाते हैं कि वह न केवल बॉलीवुड में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी अपने जलवे बिखेरने में सक्षम हैं। उनकी कड़ी मेहनत और समर्पण उन्हें एक वैश्विक आइकन बनाने की दिशा में ले जा रहे हैं, और यह निश्चित रूप से उनकी बढ़ती लोकप्रियता में योगदान कर रहा है।

अमीषा को 'चलते चलते' रिजेक्ट करने का है मलाल

बालीवुड स्टार ऋतिक रोशन और सनी देओल संग ब्लॉकबस्टर दे चुकी एक्ट्रेस अमीषा पटेल को मलाल है कि उन्होंने 2003 की सुपरहिट फिल्म को रिजेक्ट किया था। इस फिल्म में शाहरुख खान लीड रोल में थे। फिल्म का नाम 'चलते चलते' है। अमीषा ने फिल्म को रिजेक्ट किया, तो यह रोल रानी मुखर्जी के पास गया। इस फिल्म को रिजेक्ट करने का उन्हें आज भी दुख है। उन्होंने करियर में आए उतार-चढ़ाव पर भी बात की। अमीषा ने खुलासा किया कि उनके सेक्रेटरी ने उन्हें 'चलते चलते' के ऑफर के बारे में सही से जानकारी नहीं दी थी, जिसके चलते उन्होंने इसे रिजेक्ट कर दिया। अमीषा पटेल ने कहा,"अपने प्रोफेशन में, मैंने कुछ फ़िल्में मिस कर दीं। कुछ फ़िल्में बहुत सफल रहीं और कुछ असफल रहीं। मैंने शाहरुख़ खान की फिल्म 'चलते चलते' में काम नहीं किया क्योंकि मुझे नहीं पता था कि यह फ़िल्म मुझे ऑफ़र की गई थी। मेरे सेक्रेटरी ने मुझे नहीं बताया कि यह फिल्म ऑफर की गई थी।"अमीषा पटेल ने आगे कहा, "जब फिल्म रिलीज होने वाली थी और शाहरुख खान इसके लिए डबिंग कर रहे थे, तो वे मुझे डबिंग स्टूडियो में ले गए और मुझे कुछ एडिट दिखाए। उन्होंने कहा, 'आओ, मैं तुम्हें फिल्म के एडिट दिखाता हूं जिसे तूमने मना कर दिया था।' मैंने जवाब दिया, 'शाहरुख, मैंने क्या मना किया है?' और उन्होंने कहा, 'इस फिल्म को।'" अमीषा पटेल ने बाद के सालों में एक भी हिट फिल्में नहीं दीं। लेकिन अमीषा ने 2023 में 'गदर 2' के साथ शानदार कमबैक किया।

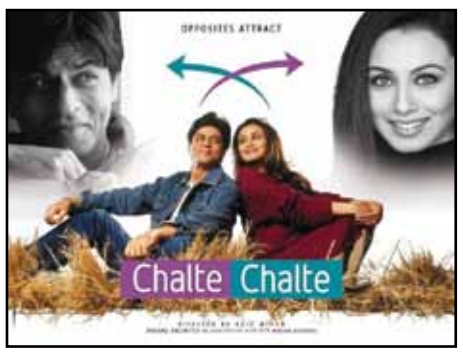

Special Ops unleash Havoc Among Criminals and Liquor Traders

Sagar Suraj

District police have achieved great success in the special operation they conducted in various police station in the month of October. It is evident that the police have arrested a total of 2206 criminals in just thirty days. Out of which 1755 criminals have been sent to jail. These include 24 accused of murder, 66 for attempt to murder, 09 for dowry murder, 21 for robbery and dacoity, 02 for rape, 26 for SC/ST atrocities, 03 for attack on police, 31 for NDPS, 56 for theft, 50 accused under Arms Act. Besides, in the operation against liquor run by the district police, 454 liquor suppliers and 648 liquor consumers have been caught in the last one month. 15349.22 liters of country liquor and 2977.753 liters of foreign liquor along with 4203.9 liters of illegal spirit have also been recovered. According to the information received from the District Police Headquarters, the police have also arrested 583 trial warrants. It has been told that due to the intensive operation and raids of the police, 06 rewarded criminals have also surrendered in the court. Apart from this, if we talk about traffic rules, then during the strictness of the police on the roads, a total penalty of 1.10 crores has been collected from the violators of the rules in the last one month. In which 61.9 lakhs have been collected from those without helmets, 2.59 lakhs from those not wearing seat belts, 6.28 lakhs from vehicles without insurance, 8.42 lakhs from illegal parking, 1.04 lakhs from those driving vehicles in no entry, 8.09 lakhs from triple riding, 4.09 lakhs from wrong driving and 'Laheriya Cut' and 15 thousand fines have been collected from those obstructing traffic. The most interesting thing is that these days, people who do not bring their bikes on the road are feeling a lot of relief. There was a fear inside them that if they were driving the bike at such a high speed, it was difficult to say when the pedestrians would become their victims if they lost their balance. Due to the efforts of the SP, the traffic congestion in the city have reduced to some extent. It is a big challenge to deal with the traffic jam situation especially on Motihari-Areraj, Meenabazar-Chhatoni Chowk, Hospital Gate, Station Road.

Main accused in police attack case arrested

RAKESH KUMAR

Police has arrested Manoj Prasad Kushwaha, the main accused in the attack on the Paharpur police station of the district. Kushwaha has been apprehended from the Majhauliya police station area of West Champaran district. Giving this information, SP Swarn Prabhat said that under the leadership of Areraj DSP Ranjan Kumar, a team of Areraj Circle Inspector, Harsiddhi police station's sub-inspector Raviranjan, Paharpur police station in-charge Jitendra Kumar and Chowkidar Tafseer Alam, Chowkidar Rambabu Yadav along with other policemen have arrested him. So far four arrests have been made in this case, while intensive raids are being conducted to arrest other accused. It is noteworthy that a few days ago, the police was attacked to free an accused in the girl's kidnapping case in Lipni village of Saraiya Panchayat of Paharpur. Two policemen including an SI were seriously injured in this incident. During this, the accused also tried to snatch the pistol of the inspector, police said

DM inaugurated the crushing season of Sugauli HPCL biofuel sugar mill unit

The target of crushing 50 lakh quintals of sugarcane has been set in the crushing season: General Manager

Mritunjay Pandey

The sugarcane crushing season of HPCL's unit Sugauli Sugar Mill was inaugurated by District Magistrate Saurabh Jorwal by cutting the ribbon. After the inauguration, Vedic mantras were chanted to ensure that the crushing season is completed smoothly. Deputy General Manager (Sugarcane) of the unit, Mr. Shailendra Kumar Mishra, as per tradition, performed Puja of all the machines of the mill, weighing bridges, farmers bringing sugarcane, cartmen and oxen.

On this occasion, General Manager Vijay Kumar Dixit, while sharing information of this crushing season with the BNM, said that a target of crushing 50 lakh quintals of sugarcane has been set in the crushing season 2024-25. The target of crushing the entire sugarcane has been set for 150 days. General Manager Mr. Vijay Kumar Dixit said that the policy of correct weighing of sugarcane and timely payment of sugarcane to the farmers by the sugar mill management will be continued by the mill management. Appealing to the farmers to cultivate sugarcane in maximum area, he said that there is a possibility of more impact of flood and drought in the Sugauli area every year, which badly affects other crops of the farmers that also becomes the cause of financial loss for the farmers. The effect of adverse weather conditions on sugarcane crops is very less. As an alternative to avoid the risk of cultivating other crops, farmers should cultivate sugarcane crops as much as possible which is financially helpful to the farmers in every situation. On the other hand, farmers are very happy with the sugar mill crushing season starting on time. For this, farmers have thanked General Manager Shri Dixit and the mill management. Farmers said that the mill crushing season is happening at the right time, so that by cutting the sugarcane crop of the pug variety in their fields and supplying it to the mill on time, their fields will be empty, in which they will get enough time to cultivate other crops like potato, pulses, oilseeds etc. and the crops will get enough time for proper growth. Which will be like double benefit for the farmers. On this occasion, BDO of Sugauli block Nutan Kiran, Circle Officer Kundan Kumar along with many officers of local and district administration were present. Chief Finance Officer of HPCL Biofuels Limited Mr. Prakash Kumar, General Manager Mr. Vijay Kumar Dixit, Deputy General Manager (Engineering) Mr. Yogendra Bahadur Singh, BJP leader Ramgopal Khandelwal, Pradeep Sarraf, Deputy General Manager (Production) Mr. Ramesh Shukla, Sugarcane Manager Sanjeev Kumar and Harishchandra Shrivastava, Abhay Pandey, Piyush Kumar and all officers and employees of Sugauli unit were present. Among the sugarcane producing farmers, Anil Dubey, Nagendra Singh, Vijay Kumar Nayak, Dharmendra Tiwari, Narendra Yadav, Mohd. Ashab etc. hundreds of farmers were present.

DAO Held a Meeting With Wholesale, Retail Fertilizer Sellers

BNM@MOTIHARI

A meeting was organized in the district auditorium on Monday with all the wholesale fertilizer sellers of the district and regional officials of various companies under the chairmanship of District Agriculture Officer Manish Kumar Singh. In the said meeting, District Agriculture Officer Mr. Singh discussed about the sale of fertilizers in the Rabi season and the smooth delivery of fertilizers to the farmers at the prescribed price. DAO directed all the wholesale fertilizer sellers that no other product should be tagged with the fertilizer during the sale of fertilizers. If any retail fertilizer seller complains that other products are being forcibly tagged with the fertilizer, then such wholesale fertilizer seller will be identified and action will be taken under the relevant sections of the Fertilizer Control Order 1985. At the same time, all retail fertilizer sellers were instructed that all sellers should sell fertilizers only at the price fixed by the government. The District Agriculture Officer directed all the Agriculture Coordinators, Block Technical Managers, Assistant Technical Managers and Farmer Advisors that all the workers should be present regularly at their allotted establishments and ensure the sale and continuous monitoring of fertilizers under the government's zero tolerance policy. All the wholesale fertilizer sellers, all the regional officers of the company, Assistant Director Project Shiv Shambhu Kumar and others were present on the occasion.

Strengthen Medical System, Cleanliness in Sadar Hospital- Municipal Commissioner

SDM Sadar Shweta Bharti and Municipal Commissioner Saurabh Suman Yadav inspected Sadar Hospital on Monday to strengthen the health system of the district. During this, they jointly inspected the OPD, MCH, emergency, dispensary, patient ward, blood bank, registration counter and cleanliness of Sadar Hospital. SDM directed Civil Surgeon Dr. Vinod Kumar Singh and Dr. Amritanshu present on the spot to strengthen the cleanliness and medical system of the building and premises. On the spot, along with talking to the patients present in the ward, he also inquired about the condition of tests, medicines, medical system and building. He said that continuous monitoring will be done from time to time. On the other hand, departmental action will be taken along with punishment if any irregularity is found. SDM said that Sadar Hospital is an important unit in the health system of any district. There should be better facilities here for the poor people. The officials took information about the arrangements of the dengue ward and got information about the facilities and treatment of the admitted patients and gave necessary instructions to the health workers. Civil Surgeon Dr. Vinod Kumar Singh said that fogging and spraying of insecticides is being done in dengue affected urban and rural areas across the district. For the implementation of the strategy to effectively deal with the infection of dengue disease, special monitoring is being done by the district, subdivision, block level officials and supporting institutions. Fogging and spraying of medicine is being done on a large scale at the Municipal Corporation, Municipal Council, Nagar Panchayat, DVBDCO office, all PHC levels. The general public is being motivated by running awareness campaigns to prevent dengue. SDM Shweta Bharti and Municipal Commissioner Suman Saurabh Yadav, CS Dr. Vinod Kumar Singh, Additional Chief Medical Officer Dr. Shravan Kumar Paswan, Dr. Amritanshu, Dr. Sunil Kumar and others were present on the occasion.

Liquor Traders Arrested With Liquor and Scorpio

RAKESH KUMAR

Motihari: Harsidhi police raided Lalganj ward number 3 of Manikpur Hasuahaan Panchayat of the police station area late Sunday evening and arrested three traders along with 66 liters of foreign liquor and a Scorpio car. SHO Nirbhay Kumar Rai said that on an inputs, a raid was conducted at the house of notorious Abhinandan Kumar of Lalganj. During the raid, notorious Abhinandan Kumar managed to escape.

Motilal Sah, son of Sitaram Sah, Ravi Ranjan Kumar, son of Motilal Sah and Aman Kumar, son of Motilal Sah were arrested. The police station chief said that four bottles of 750 ml Royal Stag and 350 pieces of 180 ml Frooti, totaling 66 liters of foreign liquor were seized from his house. Car was also seized and all three traders were arrested. He said that the traders are being questioned. After interrogation, everyone will be sent to jail.

The raiding team included Areraj Circle Inspector Purna Kaam Samarth, SHO Nirbhay Kumar Rai, SI Ravi Ranjan Kumar, SI Rajesh Kumar, Constable Phool Kumar Mahaldar, Constable Satyanarayan Kumar, Chowkidar Tafseer Alam, Chowkidar Manu Yadav and armed forces.

Shanti Asiatic School Exhibits Grand Events To Highlit 'Chhath Festival'

Sanjeev Jaiswal

PIOUS festival of Chhath - is a symbol of religious faith but it also has deep scientific, historical and social significance. Aiming to highlight this tradition and its significance, a colouful events was organised by the students and teachers of Shanti Asiatic School at Hajipur located in the industrial area . During the program, Aditi Saumya, Arihishri, Anshika Raj and Gautam Kumar, in the form of Chhathvrati, performed by offering Arghya to Lord Surya with a bowl and a ladle in their hands. Himanshu giving the 'dand' and the charming dance of Aradhya, Akanksha, Anushka, Dhruvita, Puja, Kanishka and Riya on the famous song of Chhathi Maiya, Jode-Jode Falwa and Ug Ho Suraj Dev forced everyone to dance. Through this event, students not only highlighted the importance and cultural values of Chhath Puja but also effectively presented the scientific and spiritual aspects hidden behind it. Such presentations play an important role in connecting the new generation to their culture and traditions. Principal of the school Sanjeev Singh said that there is no place for show-off in Chhath Puja which is full of devotion and spirituality. Chhath festival is not only a religious ritual but it is also a medium to unite every section of the society. School director Shambhu Kumar said that this festival becomes a symbol of social harmony and cultural unity. He told that according to another story, Chhath fast started in the Mahabharata period. It was first started by Karna, the son of Sun, by worshipping the Sun. Karna was a great devotee of Sun God. He used to stand in water for hours and offer water to the Sun and due to the grace of Sun God, he became famous as a great warrior and generous Karna. School teachers, students and other dignitaries were present on the occasion.